

। स्वीपन्।

~~~%95@%\<del>\$</del>

| - eegy Can Man                                                                       |      |            |
|--------------------------------------------------------------------------------------|------|------------|
|                                                                                      | घट   |            |
|                                                                                      | •    | 8          |
| S(1)—काव्य-कोश-नाटक-नीति-श्रेगिः<br>लिखित                                            | **** | -          |
| S(1)—काव्य-काश-नाटक-नात कर                                                           | 4    | १७         |
|                                                                                      |      | ३६         |
| 8(1)ms                                                                               |      | २२         |
| S(1)ms.—तथा<br>S(2)—साहित्यालंकारच्छन्दोग्रन्धश्रीणः<br>निष्य                        | **** |            |
| ८(१) तथा                                                                             | •••• | २३         |
| , \                                                                                  |      | २८         |
| - जिल्ला                                                                             | •••• | 36         |
| S(3)ms.—तथा लिखत                                                                     | •••• | <b>३</b> ६ |
| S(3)ms.—तथा<br>S(4)ms.—इतिहासपुरागादिश्रेगिः<br>लिखित                                | •••• |            |
| / \ 3011                                                                             | •••• | ३७         |
|                                                                                      |      | ४६         |
| S(5)—धमशास्त्रपद्धरना । लिखित                                                        | •••• | 80         |
| c/t)a(191                                                                            | •••• | <b>५</b> ५ |
| ्(ू)—वंदिनश्राणः                                                                     | •••• |            |
| (-) नेटान्तश्रीणः                                                                    |      | ६०         |
| S(7)—पद्मार्था लिखित                                                                 | •••  | ६१         |
| \$(7)ms.—तथा लि। बत                                                                  | •••• | ६३         |
| S(8)—सांच्ययागश्रीणः<br>S(8)—सांच्ययागश्रीणः                                         | •••• |            |
| ८(०)—न्यायवशापपापरा र                                                                | •••• | इ ७        |
| 7/0\                                                                                 |      | ६८         |
| S(9)ms.                                                                              | •••• | ७०         |
| S(9)ms.<br>S(10)—मींमांसादिश्राणः                                                    | •••• | ७६         |
| ०(11)—ज्यातपश्राणः                                                                   | •••• | •          |
| \$(11)—ज्यातपत्राचः लिखित<br>\$(11)ms.—तथा<br>************************************   |      | ७६         |
| S(11)ms.                                                                             | •••• | 30         |
| S(11)ms. प्रायुर्वेदश्रोणिः<br>S(12)—ग्रायुर्वेदश्रोणिः<br>जन्म निर्मार्थे           | •••• | 50         |
| S(12)ms.—तथा लिखत<br>S(12)ms.—तथा<br>S(13)—मन्त्रशास्त्रस्तोत्रकथादिश्रेणिः<br>लिखित | •••• |            |
| 0/10/                                                                                |      | ८२         |
| ऽ(१३) — तथा लि। वत                                                                   |      | <b>८</b> ३ |
| S(13)ms.—तथा । लाखत<br>S(13)ms. — तथा                                                |      | ረሂ         |
| ०(१)—सकाराजिपपाचाः                                                                   | •••• | ور ک       |
| S(14) तथा विश्वत<br>S(14)ms.—तथा                                                     |      |            |
| प्राचित्राचिः                                                                        |      | وت         |
| गर तथा लिखित                                                                         | **** |            |
| T-ms. तथा लिखत                                                                       |      | •          |
| T true                                                                               |      |            |

### जयपुरमहाराजसंस्थापितसर्वोपकारकपुस्तकालयस्थ संस्कृतभाषाय्रन्थानां सूचीपत्रम् ।

S(1)--काव्य-कोश-नाटक-नीति-श्रेणिः। त्रन्थकर्तृनाम मुद्रणस्थानं **अन्धनामा**नि ग्रन्थ मुद्रग कालश्र संख्या महादेवः १ अङ्गुतदर्पणम् . मुम्बई. शंकरलालः २ अनसूयाभ्युदयनाटकम् मुम्बई १८८६ कालिदासः टी. राघवभटः ३ ग्रभिज्ञानशाकुन्तलम् इङ्गलिष-मुम्बई टिप्पणीयुतम् ४ अभिज्ञानशाकुन्तलं पी. स्केल-कालिदासः लंदन १८८३ टिप्पणीयुतम् कालिदासः ५ अभिज्ञानशाकुन्तलम् मुम्बई १८८३ मुरारिः टीका. विद्यासागरः ६ अनर्घराघवनाटकं सटीकम् कलकत्ता **अमरसिंहः** ७ अभिधानसंत्रहः मुम्बई हुगिढराजः टी. नारायणः ८ त्राभिनवकादम्बरी टिप्पणीयुता मुम्बई लक्ष्मणः ६ अभिनवरामायणचम्पूः श्रमरसिंह: १० अमरकोशः कलकत्ता १८७५

११ अमरकोशः सटीकः

**अमरसिंहः, टी. महेश्वरः** 

मुम्बई

| , ,                             |                           |
|---------------------------------|---------------------------|
| १२ अमरकोशः व्याख्यासुघाटीकायुतः |                           |
|                                 | नाशी                      |
| १३ तथा                          | तथा तथा                   |
|                                 | सुम्बई १८८६               |
| १४ अमरुशतकम्                    | श्रमरुः                   |
|                                 | मुम्बई १८८६               |
| १ ७ जागनीनमा                    | गोकुलनाथोपाध्यायः         |
| १५ अमृतोदयम्                    | _                         |
|                                 | मुम्बई १८६०               |
| १६ अवदानकल्पलता                 | त्तेमेन्द्रः              |
|                                 | कलकृत्ता १८८८             |
| १७ ऋानन्दवृन्दावनं सटीकम्       | कर्णपूरः, टी.विश्वनाषः    |
| •                               | मथरा                      |
| १८ श्रार्यासप्तशती सटीका        | गोवर्धनाचार्यः टी. अनन्तः |
| (- आयासतराता सटाका              | _                         |
| `                               | मुम्बई १८८६               |
| १६ उत्तररामचरितं सटीकम्         | भवभूतिः, टी. विद्यासागरः  |
|                                 | ं कलकत्ता १८८७            |
| २० उत्तररामचरितम् त्राङ्गल-     | भवभूतिः टी. श्रीनिवासः    |
| टिप्पणीयुतम्                    | मुम्बई                    |
| _                               |                           |
| २१ उदारराघवम्                   | मल्लाचार्यः               |
|                                 | मुंबई १८६१                |
| २२ उन्मत्तराघवम्                | भारकरः                    |
|                                 | सुम्बई १८८६               |
| २३ ऋतुसंहार-चौरपञ्चाशिके-       | कालिदासः चौरकविः          |
| भाषाटीकायुति                    | <b>गुं</b> वई             |
| _                               | मूककविसार्वभौमः           |
| २४ कटाच्यतकम्                   |                           |
|                                 | मुंबई                     |
| २५ कथासरित्सागरः                | सोमदेवः                   |
| ₹ <del>-</del> ₹                | कलकत्ता १८८३              |
| २६ कंथासरित्सागरः               | सोमदेवः                   |
| २६ कथासरित्सागरः<br>१-२         | मुंबई १८८६                |
| २७ कंसवधनाटकम्                  | कृप्याशिपः                |
| √ = पास्तत्रपाञ्चाच्            |                           |
|                                 | <b>गुं</b> बई             |

२८ कर्णसुन्दरी नाटिका २६  $\left\{ egin{array}{l} & a \sqrt{\tau} + a \end{array} 
ight.$   $\left\{ egin{array}{l} a - a \end{array} 
ight. 
ight.$ 

३० कादम्बरी

विल्ह् गः

मुम्बई १६८६

राजेशखरः, टी. वासुदेवः १८८७ राजशेखरः वाग्गभटः

वालकत्ता

३१ कादम्बरी पिटर्सनमुद्ता

वाग्गभटः

मुम्बई १८८६

३२ कादम्बरीकथासारः

ग्रभिनन्दः

गुम्बई १८८८

३३ कादम्बरीकथासारः एस-एम्. श्राप्टेमुदितः ३४ कांमन्दकीयनीतिः

ग्रभिनन्द:

पूना १८६१

३५ कामाचीस्तुतिः मूकपश्चराती

कामन्दकः

कलकत्ता १८७५

मुंबई १८८६-८७

मुम्बई

३६-३७ काव्यमालागुच्छकाः १-४

मूककविसार्वभौमः

मुंबई १८८८ मुम्बई १८६०-६७

३८ काव्यमालागुच्छकः पश्चमः ३६-४५ काव्यमालागुच्छकाः ६-१२ ४६्-४७ काव्यमालाप्रशस्तिः

हरिवछभभटः

४८ काव्यसंत्रहः

मुम्बई १८८६-८७ विद्यासागरभष्टाचार्यः

प्राचीनकाव्यानामेकत्रसमाहरणम् ४८ किरातार्जुनीयम्

कलकत्ता १८७२ भारावि:

५० कीर्तिकोमुदी इङ्गलिपयुता

कलकत्ता १८७५ सोमश्वरः

मुम्बई १८८३

कालिदासः, टी. मिछनाघः

५१ कुमारंसभवम् सटीकम्

कलकत्ता १८६७

५२ कुमारसंभवं सटीकम

. मुम्बई १८७E

| (x)                                   |                                             |
|---------------------------------------|---------------------------------------------|
| ५३ कुमारसंभवं भाषाटीकायुतम्           | कालिदासः टी. सुखदयालुः<br>पंजाव             |
| ५४ कुवलयाश्वविलासः                    | त्रिविक्रमः<br>• मुंबई १८१६                 |
| ५५ कुसुममाला<br>१-२                   | वामनः पूना १८६१                             |
| ५६ कृष्णभक्तिचन्दिका                  | ञ्रनन्तदेव:                                 |
| ५७ केशप्रसाधनम्                       | मुंबई १८६१<br>हरिवछभभटः                     |
| ५८ कोशपट्कम्                          | मुम्बई १८६५                                 |
| ५६ गङ्गालहरी हिंदीटीकायुता            | काशी<br>जगन्नायपरिडतराजः टी.<br>दुर्गादत्तः |
|                                       | जु । २ । । । । । । । । । । । । । । । । ।    |
| ६० गद्यपद्यतरिङ्गणी                   | गोपाल:                                      |
| ६१ गायासप्तशती सटीका                  | पूना १८८८<br>सातवाहनः                       |
| ६२ गीतगोविन्दं सटीकं राधाविनीव        | मुम्बई १८८६<br>(- जयदेव: टी. नारायण:        |
| युतम्<br>६३ गीतगेगिवन्दं तदादर्शयुतम् | सुम्बई<br>जयदेवः टी. रामचन्दः               |
| ६ ४ गीतगारीपतिकान्यम्                 | लखनो १८७५<br>भानुदत्तमिश्रः                 |
| ६५ गुरुकोमुदी                         | मुंबई<br>रामनाराय <b>णः</b><br>मुंबई        |
| ६६ गोपाललीलाकाव्यम्                   | रामचन्दः -<br>काशी                          |
| ६७ गोवर्धनसप्तशती सटीका               | गोवर्धनाचार्यः टी. अन्न्तः<br>काशी          |
| ६ मोडनहोनाव्यं प्रास्तम्              | ताक्पतिः मुम्बई १८६७                        |
|                                       |                                             |

# S(1)—काव्य-कोश-नाटक-नीति-श्रेणिः

गावर्धन: ६६ घटखर्पर: चन्द्रिकाटीकायुतः मुम्बई त्त्रेमेश्वरः टी. जीवान्दः ७० चगडकोशिकं सटीकम् कलकत्ता १८८४ वीरनन्दी ७१ चन्द्रप्रभचरितम् मुम्बई १८६२ रामनाघकविः ७२ चन्द्रशेखरचम्पूः कलकत्ता १८७३-७४ ७३ चाण्क्यनीतिः भाषानुवादसहिता चागावयः काशी चागाक्यः ७४ चाणक्यनीतिसारः प्रयागः १८८० कविकर्णपूरः ७५ चैतन्यचन्द्रोदयनाटकम् कलकत्ता १८५४ हारेवछभभट्टः ७६् जयनगरपञ्चरङ्गम् . मुबई १⊏६४ श्रीकृष्णरामभटः ७७ जयपुरविलासः मुंबई रामभट्दीद्तितः, अनुवा. ७८ जानकीपरिग्ययनाटकं मराठी गगोशशास्त्री मुंबई १८६६ भापानुवादयुतम् . कुमारदासः ७९ जानकीहरणम् कलकत्ता १८६३ ं श्रानन्दरायमखी ८० जीवानन्दम् मुंबई १८६१ दगङी ⊏९ दशकुमारचरितम् कलकत्ता ८२ दशकुमारचरितं पीटर्सनमुदितम् दगडी मुंबई १८६१ त्त्तेमेन्द्रः ८३ दशावतारचरितम् मुंबई १८६१ सुभट्टः ८४ दूताङ्गदम् मुंबई १८६१

५ देवकोशः

देवदत्तः

काशी १८८३

८६ देवराजचरितम्

दुर्गाप्रसादद्विवेदः

मुंबई १८६१ काशी

८७ द्वादशकोशाः

जीवानन्दः

८८ द्वात्रिंशत्पुत्तलिका

कलकत्ता १८८१ धनंजयः, टी. बदरीनाथः

८६ द्विसंघानं सटीकम्

मुंबई १८६५

६० धनंजयविजयव्यायागः

कलकत्ता १८७१

६१ धनं जयविजयव्यायागः

काश्चनाचार्यः

मुंबई १८६५

६२ धर्मशर्माभ्युदयम्

हरिश्चन्दः

मुंबई १८८८

६३ नलचम्पूः सटीका

त्रिविक्रमः, टी. चएडपालः

संबंह

६४ नलोदयः सटीकः

कालीदासः, टी. प्रज्ञाकर-

मधावी श्रीहर्पदेवः

कलकत्ता

६५ नागानन्दनाटकं सटीकम्

६६ नागानन्दनाटकं सटीकम्

श्रीहर्पदेवः

पूना १८६३

६७ नाटवाटप्रहसनम्

यदुनन्दनः

कलकत्ता

६८ नानकचन्द्रोदयं सटीकम्

मुंबई १८६१ गङ्गारामः, टी. ब्रह्मानन्दः

६६ नीतिमाला भाषोपेता

मुंबई

सदानन्दः

कलकत्ता

१०० नीलकगठचम्पृः

नीलकग्ठः

मुखई

| १०१ नीतिरामायणं सटीकम्                  | रामाचार्यः                             |
|-----------------------------------------|----------------------------------------|
|                                         | सुम्बई                                 |
| १०२ नीतिवाक्यामृतम्                     | सोमदेवः                                |
| १०३ नृसिंहचम्पूः                        | मुम्बई<br>केशवः                        |
| 1. 1. 51/16 1. %.                       | . मुम्बई                               |
| १०४ नेमिनिर्वाणम्                       | वाग्भट्टः                              |
| -                                       | मुम्बई                                 |
| १०५ नेपधचरितं सटीकम्<br>१-२             | श्रीहर्पः, टी. माछिनायः                |
| १०६ नेषधचरितं सटीकम्                    | कलकत्ता १८७६<br>श्रीहर्पः, टी. नारायणः |
| रे-रे                                   | अल्बन्द्रं भारत्यकः कलकत्ता            |
| १०७ पञ्चतन्त्रम्                        | विष्णुशर्मा                            |
| •                                       | कलकत्ता १८८१                           |
| १०८ पतञ्जलिचरितम्                       | रामभददीचितः                            |
|                                         | सुम्बई १८६५<br>अक्टिएममायटः            |
| १०६ पलागडुराजशतकम्                      | श्रीरूष्णरामभटः<br>-सुम्बई १८६३        |
| ११० पारिजातहरणचम्पूः                    | श्रीकृष्णरोपः                          |
| <u> </u>                                | मुम्बई                                 |
| १११ पार्वतीपारिण्यम्                    | वाणभट्टः                               |
| ११२ पुरुषपरीचा                          | मुम्बई<br>विद्यापतिः                   |
| 1113411111                              | मुम्बई                                 |
| ११३ पुष्पवागाविलासः                     | कालिदासः                               |
|                                         | कलकत्ता १८७४                           |
| ११४ प्राचीनलेखमाला काव्यमालास्या<br>१-२ | TTTT 0 10                              |
| ११५ मतापरुद्कल्याणम्                    | मुम्बई १८६७<br>विद्यानाथः              |
| Mr. minario udr                         | मुम्बई १८६१                            |
| ११६ प्रवाधचन्द्रोदपः सटीकः              | श्रीकृष्णमिश्रः, टी, महेश-             |
|                                         | चन्द्रः ` कलकत्ता                      |

९३३ भागवतचम्पृः

११० नश्चीत्तरमाला विजयचन्द्रः आगरा १८६२ ११८ प्रसन्नराघवम् जयदेवः कलकत्ता १८७२ दुर्गाप्रसादे। द्विवेदः ११६ प्रसादशतकम् मुम्बई श्रीहर्पदेवः १२० त्रियदर्शिका कलकृत्ता नीवननीगास्वामी १२१ वालकृष्णचम्पू: मुम्बई १२२ वालभारतम् अमरचन्द्रः सुम्बई १८१४ राजशेखरः, टी. विद्यासागरः **१**२३ वालरामायणं सटीकम् कलकत्ता १८८४ १०४ वावरंसेग्रहः कलकता १८६३ **१२५** वृहच्छार्ङ्गधरपद्धतिः शार्ङ्गधरः काशी तथा 326 तया . तथा १२० वृहच्छार्ज्जधरपद्धति: मुम्बई १८८६ **अच्युतपारि**डत: **१२८** भागीरघचम्पू: मुम्बई १८६१ भट्टि:, टी. भरत: १ 🕦 भाटिकाव्यं सटीकम् कलकत्ता १८७६ **१३०** भर्नृहरिनिर्देदम् हरिहरोपाध्याय: मुम्बई १८६२ थर्तृहरि: **१३**१ भट्टहारशतकम् सुम्बइ ९३२ भर्नृहरिशतकं हिन्दीटीकायुतम् लाहार १८६५

अभिनवकालीदासः

मुम्बई

जगन्नाघपगिडतराजः १३४ भामिनीविलासः कलकत्ता १<sup>८७</sup>२ पूना १८६५ १३५ भामिनीविलासः ग्रनन्तदेवः, टी. नारायणः १३६ भारतचम्पूः सटीका मुम्बई त्तोमन्द्रः ्१३७ भारतमञ्जरी मुम्बई १८६८ रामकृष्णः १३८ भागेवचम्पूः मुम्बई जीवनाथः १३६ भावकुतूहलम् काशी रत्नखेटदीाचितः टी. श्रीनिवासः १४० भैष्मीपरिगायचम्पूः सटीका वछालः १४१ भोजप्रवन्धः कलकत्ता १८७२ मांगीलाल: १४२ मङ्गलकोशः १-२ लखनौ १८७७ त्रिविक्रमभटः १४३ मदालसाचम्पूः मुम्बई मुम्बई १४४ मनोदूतीकाव्यम् श्रीकृप्णः १४५ मन्दारमरन्दचम्पूः मुम्बई १८६५ वेङ्कटराघवः १४६ मन्मधविजयम् मुम्बई १८८८ नारायगः १४७ मिणमञ्जरी मुम्बई दगड़ी १४८ मछिकामारुतप्रकरणम् कलकत्ता १८७८ दराडी, टी. रङ्गनाघः १४६ मछिकामारुतप्रकरणं सटीकम् कलकत्ता १८७८ हनुमान् १५० महानाटकम् कलकत्ता १८७४

१५९ महावीरचारतं सटीकम् भवभूतिः, टी. जीवानन्दः कलकत्ता १८७३ १५२ महावीरचारितं सटीकं सटिप्पणाकं च भवभूतिः, टी. जीवानन्द टि, श्रीधरः । पून १५३ माधवचम्पूः चिरंजीव: कलकत्ता १८७२ १५४ मालतीमाधवं सटीकम् भवभूतिः, टी. जगद्धरः मुम्बई १८७० १५५ मालविकाग्निमित्रं सटीकम् कालिदासः, टी. तारानाथः कलकता १८७० १५६ मिष्याज्ञानविडम्बनम् रविदासः कलकत्ताः १५७ मुकुन्दानन्दनभागाः काशीपतिः मुंबई १८८६ १५८ मुकुन्दानन्दभाणः काशीपतिः मुम्बई १५६ सुदाराच्तसम् विशाखदत्त: कलकता ९६० मृच्छकटिकम् शृद्क: कलकता १८८१ ९६९ मेघदूतम् कालिदासः कलकता १८७४ ९६२ मेवदूतं हिंदीटीकायुतम् कालिदासः, टी. लक्ष्मणसिंहः १८८२ ९६३ मेत्रदूतम् हिंदीटीकायुतम् कालिदासः, टी.लक्ष्मणसिंहः ९६४ मेचदूतं टिप्पणीयुतम् कालिदासः मुम्बई १८६४ ९६५ मेदिनीकोश: मेदिनीकारः कलकत्ता १८७२ १६६ युधिष्टरिवनयं सटीकम् वासुदेवराजानकः, टी. रत्न-

मुंबई १८६७

कग्ट:

कृष्णाकविः <sub>९६</sub>७ रघुनाघविजयचम्पूः मुंबई कालिदासः, टी. लक्ष्मणसिंहः १६८ रघुवंशं हिदीव्याख्यायुतम् इटावा १८७८ कालिदासः, टी. मछिनाघः १६६ रघुवंशं सटीकम् पूना १८८५ जगन्नाथपगिडतराजः १७० रतिमन्मघनाटकम् मुम्बई श्रीहर्षदेवः १७१ रत्नावलीनाटिका मुम्बई नयनचन्द्र: १७२ रम्भामअरीनाटिका मुम्बई १८८६ युवराजः १७३ रससदनभागः मुम्बई १८६३ १ ७४ राघवेनैषधीयं सटीकम् हरदत्तः मुम्बई १८६६ कविराजः, टी. शशिधरः १७५ राघवपागडवीयं सटीकम् मुम्बई १८६७ काविराजः, टी. लक्ष्मणपणिडतः १७६ राववपागडवीयं सटीकम् सूर्यसूरिः १७७ रामकृष्णविलोमकाव्यम् मुम्बई भोजराजः १७८ रामायणचम्पूः कलकत्ता १८७८ श्रीभष्टभीमः १७८ रावगार्जुनीयम् मुम्बई १६०० रामवर्मा १८० रुक्मिणीपारिणयः मुम्बई १८६४ गोविन्दः ९८१ रुक्मिणीपाणिग्रहणं सटीकम् मुंबई महेश्वरः १८२ लक्ष्मीविलासः मुंबई १८६२

१६६ विद्वत्कृत्यविवेक:

१८३ लटकमेलकप्रहसनम् शङ्खधरः १८४ वछभस्तुतिरत्नावली सटीका गोकुलाधीशः, टी. गोवर्धनः १८५ वसन्ततिलकभागाः वरदाचार्यः कलकत्ता १८७२ १८६ वाचस्पत्यवृहदभिधानम् तारानाथ: कलकता १८० वाणीभूषणम् दामोदरमिश्र: मुंबई १८६५ १८६ वासवदत्ता सटीका सुबन्धुः, ठीः शिवरामः कलकत्ता विह्नगः १८६ विक्रमाङ्कदेवचरितम् मुंबई १८०५ १६० विक्रमोर्वशी कालिदास: कलकत्ता १८०३ १६१ विक्रमोर्वशी कालिदास: मुंबई १८६४ १६२ विदुरनीातिः विदुर: मुंबई राजशेखर: १८३ विद्यालभाक्षिका कलकत्ता १८०३ १६४ विद्यापरिणयनाटकम् **ज्ञानन्दरायम**खी मुंबई १८६३ १६५ विद्वद्गपणकाव्यम् वालकृष्णः

दिछी १८८०

१६७ विद्वन्मोदतराङ्गिणी

१८८ विश्वगुगादर्शः सटीकः

१९६ विश्वगुगादर्शः सटीकः

२०० विष्णुभक्तिकल्पलता सटीका

२०१ वृषभानुजानाटिका

२०२ वेणीसंहारनाटकं सटीकम्

२०३ वेगीसंहारनाटकं सटीकम्

२०४ वेतालपञ्चविंशतिका

२०५ शट्दकल्पद्धमः र-६

२०६ शब्दस्तोममहानिधिः

२०७ शब्दार्थीचन्तामिः

२०८ शब्दार्घप्रकाशः २०९ शाश्वतधर्मदीपिका

२१० शिवकाव्यम्

२११ शिशुपालवधं सटीकम्

२१२ शिशुपालवधं सटीकम्

चिरजीव:

कलकत्ता १८७२ वेङ्कटाध्वरी, टी. मधुरसुघाशास्त्री

मुंम्बई १८८६

" सुम्बई १८८६

पुरुषोत्तमः, टी. महीधरः

मुंम्बई १८६२

मथुरादासः

मुम्बई १८६४

नारायणः, टी. तारानाणः

कलकत्ता १८७५

नारायणः, टी. तारानाघः

कलकत्ता १८८६

जीवानन्दः

कलकत्ता १८७३

राजां राधाकान्तदेवः कलकत्ता

तारानाथः

कलकत्ता १८७६

सुखानन्दनाथः

ढुर्गाप्रसादः <sub>.</sub>

गङ्गाधरशास्त्री

बनारस १८८३

पुरुषोत्तमः

पुना १८८३

माघः, टी. मिछनायः

कलकत्ता

माघः, टी. मछिनाथः

मुम्बई

२१३ शुक्रनीतिसारः

२१४ शृङ्गारतिलकम्

२१५ शृङ्गारभूपराम्

२१६ श्रीनिवासविलासचम्पृः

२१७ श्रीहर्षचारितम्

२१८ तथा

२१६ श्रीहर्षचरितं सटीकम् २२० संस्कृतकाशः

२२,१ संस्कृतप्रवेशिका

२२२ संगीतपारिजातः

२२३ तथा २२४ संगीतरताकरः सटीकः २२५ संगीतरताकरः सटीकः २२

२२६ समयमातृका

२२७ सहदयानन्दम्

२०८ साम्बपञ्चाराका सटीका

**२२६ सा**वित्रीचरितम्

शुकः:

कलकता १८८२

रामभद्दीचित:

मुंबई १८६४

वामन:

मुंबई १८६६

वेङ्कटेश:

मुम्बई १८६४

वाणभट्ट:

कलकता १८७६

तथा

कलकता १८७६

वार्णभट्टः, टी. शंकरः

म्याग्डांलन्

लंदन १८६३

रामरुप्णः

मुंबई

भ्रहोवलशास्त्री

कलकता १८८४

तथा

शार्ङ्गदेवः, टी. सिंहभूपालः नि:शङ्कराङ्गदेवः, टी.

कालीनायः

पूना

त्तेमन्दः

मुम्बई १८८८

कृष्णानन्दः

मुम्बई १८६२

साम्बः, टी. चराजः

मुम्बई १८६८

राकरलालः

मुम्बई

काशी

गोपीनाथदाधीचः २३० सुतजन्ममहोत्सवः मुम्बई २३१ समदाहरणम् माधवभट्ट: मुम्बई १८८८ २३२ सुभावितरत्नभागडागारम सुम्बई २३३ सुभाषितावली वछभदेवः सुम्बई २३४ सूर्यशतकम् मयूरः मुम्बई १८८६ प्रवरसेन: टी. रामदासः २३५ सेत्वन्यं सटीकम् मुंबई १८६५ २३६ सेन्यसेवकोपदेशः त्तेमेन्दः सम्बर्ड २३७ स्तुतिकुसुमाञ्जलिः सटीकः जगद्धरः, टी. राजानकरत्नकगरः मुंबई १८६१ २३८ हरचरितचिन्तामािः राजानकजयरथः मुंबई १८६७ २३६ हरविजयं सटीकप् रताकरः टी. राजनकालखः मुंबई १८६० २४० हम्मीरमहाकाव्यम् नयनचन्द्रः मुंबई १८७६ २४१ हितापदेशः नारायगः मुंबई १८८७ विष्णुशर्मा २४२ हितोपदेश: लन्दन १८६५ २४३ हीरसोभाग्यं सटीकम् श्रीदेव:, टी. विमलगण: . मुवई १६०० २४४ हैमादय:षट्टकोशा: हेमाचार्यादय:

#### MANUSCRIPT.

# S(1)—काव्य-काश-नाटक-नीति-श्रेणिः

#### <del>हस्</del>तलिखिता

| ग्रन्थ ग्रन्थनामानि<br>संख्या                | य्रन्थकर्तृनाम सुदृग्रस्थानं<br>सुदृग्रकालश्र              |
|----------------------------------------------|------------------------------------------------------------|
| १ अन्योक्तिमुक्तालता                         | शंभुः<br>वि. संवत् १९४२                                    |
| २ अन्योक्तिशतकम्                             | वीरेश्वरः<br>संवत् १६४१                                    |
| ३ म्राभिधानचिन्तामणिः                        | हेमचन्द्रः<br>संवत् १५ <sup>२२</sup>                       |
| ४ अमन्दमन्दाकिनीशतकम्                        | मधुसूदनः<br>संवत् १६४ <sup>२</sup>                         |
| ५ इष्टोपदेशः<br>६ कंसवधनाटकम्<br>७ करुगालहरी | पूज्यपादः<br>कृष्णरोषः<br>जगन्नाथपगिडतराजः<br>संवर्त् १६४२ |
| <ul><li>काव्यभूषगाशतकम्</li></ul>            | कृष्णावछमः<br>संवत् १६४२                                   |
| ६ चगडीशतकम्                                  | वाग्णभष्टः<br>संवत् १६४ <sup>२</sup>                       |
| १० दमयन्तीकथा, वा नलचम्पूः                   | त्रिविक्रमः<br>संवत् १६३⊏                                  |
| १९ दूताङ्गदम्                                | सुभटः<br>संवत् १६४३                                        |
| ९२ धर्मशर्माम्युदयम्<br>९३ नलायनम्           | हरिश्रन्दः<br>माणिक्यसूरिः<br>संवत् ९६४३                   |

#### **इस्त**लिखिता

१८

२३ साम्बपश्चाशिका

९४ नृपविलासः सटीकः सीतारामभट्टः संवत् १६४६ ९५ नेमिदूतकाव्यम् त्रिविक्रम: मंबत् १६४२ ९६ पारिजातहरणचम्पूः श्रीकृष्णंशेषः संवत् १६४२ १७ प्रवोधचन्द्रोदयं सटीकम् श्रीकृप्णामिश्रः, टी. महेशचन्दः संवंत् १६२३ ९८ प्राणाभरणम् जगन्नाथ्पागेडतराज: संवत् १६४२ विष्णुपुरी, टी. श्रीधरः १६ भक्तरलावली सटीका संवत् ९६४४ २० महिषशतकम् वालकावि: २१ राजेन्द्रकर्णपूरः शंभुकाविः संवत् १६४२ २२ श्रीकराठचरितटीका जोनराजः

साम्बः

# 8(2)—साहित्यालंकारच्छन्दात्रन्य-श्रेणिः

**अन्यकर्तृनाम** मुद्रण्स्थानं य्रन्थ य्रन्थनामानि मुद्रगुकालश्र संख्या विश्वेश्वर: १ ग्रलंकोरकौस्तुभः मुंबई १८८० केशविमश्रः २ त्र्रलंकारशेखरः मुंबई १८६५ रुप्यक: ३ ग्रलंकारसर्वस्वम् मुंबई १८६५ देवेश्वर: ४ कविकल्पलता -कलकत्ता हलायुधः ५ कविरहस्यम् सुम्बई वाग्भट्टः ६ काव्यानुशासनम् मुम्बई १८६४ मम्मटः, टी. महेश्वरः ७ काव्यप्रकाशः सटीकः कलकत्ता १८७६ गोविन्दठक्कुरः, टी. वैद्यनायः ८ काव्यप्रदीपः सटीकः मुम्बई १८६१ दगडी, टी. जीवानन्दः ६ काव्यादर्शी विवृतियुतः कलकत्ता १८८२ वामनः १० काव्यालंकारसूत्राणि मुम्बई १८८६ **अप्ययोत्तितः, टी. वैद्यना्थः** ११ कुवलयानन्दः सटीकः कलकत्ता अप्यय्यदीचितः, टी. चिरंजीव १२ कुवलयानन्दकारिका सटीक-मुंबई भट्टाचार्यः जयदेवः कलकत्ता १८७४ १३ चन्दालोकः

२०

१४ चित्रमीमांसा तत्खराडनं च

अप्यय्यदीचितः, खगडनका जगन्नाथपारी डतराजः

मुम्बई १८६३

१५ छन्दोमअरीवृत्तरताकरौ

गङ्गादासंकदारमङौ

१६ दशरूपकं सटीकम्

कलकत्ता १८७६ धनंजयः, टी. धनिकः

१७ ध्वन्यालोकः सटीकः

कलकता १८६५ ञ्रानन्दवर्धनः, टी. ग्राभिनव-

गुप्ताचार्यः सुम्बई १८६१

१८ नाट्यशास्त्रम्

भरतमुनिः

१६ पिङ्गलसूत्रं वृत्तिसाहितम्

मुम्बई १८६४ पिङ्गलाचार्यः

२० प्राकृतंपिङ्गलसूत्रं सटीकम्

मुम्बई १८६४ पिङ्गलाचार्यः, टी. लक्ष्मी-

नाथभट्टः सुम्बई १८६४ जगन्नाचपिखतराजः टी. नोगशः

२१ रसगङ्गाधरः सटीकः

मुम्बई १८८८

२२ रसतरङ्गिणी

भानुदत्तिभश्रः मुम्बई

२३ तथा तथा

२४ वाग्भष्टालंकारः सटीकः

वाग्भट्टः, टी- सिंहदेवः

२५ कामसुत्रं सटीकम्

मुंबई १८६५ वात्स्यायनमुनिः, टी. यशोधरः

मुंबई १८६१

२६ वामनसूत्रवाग्भटालंकारसरस्वती कराठाभरगानि

वामनवाग्भष्टभोजदेवाः

२७ वृत्तिवार्तिकम्

कलकत्ता १८८३ अप्पय्यदीचितः

मुंबई १८६३

२८ युगारतिलकम् अंग्रेजीयुतम्

रुद्र:

मुंबई १८८६

# S(2)—साहित्यालंकारच्छन्दोय्रन्य-श्रेणिः

२६ श्रुतवोधवृत्तरताकरौ

३० श्रुतवोधः

३१ सरस्वतीकण्ठाभरणं सटीकम् र-२

३२ सरखतीकगठाभरणं सटीकम् ३३ साहित्यदर्पगम्

३४ तथा ३५ साहित्यदर्पणं सटीकम्

३६ साहित्यसंत्रहः

३७ साहित्यसारः सटीकः

इंद साहित्यको मुदी सटीका

कालीदासकेदारभट्टी

मुंबई

कालीदासः

मुंबई १८८१

भोजराजः, टी. रतेश्वरमिश्रः वनारस

भोराजः, टी. रतेश्वरः

विश्वनाधः

कलकता १८८४

तथा

रजनीकान्तः

कलकत्ता १८८१

भ्रच्युतः, टी. श्रच्युतः

मुंबई

विद्याभूषणः

मुंबई १८६७

# Manuscript. 8(2)—साहित्यालंकारच्छन्दोग्रन्थ-श्रेगिः हस्तिलंखिता

अन्य अन्यनामानि संख्या अन्थकर्तृनाम मुद्रग्रस्थानं

१ काव्यकल्पलता

श्रमराचार्यः

सं १८३०

मुद्रणकालश्रं

२ काव्यप्रकाशः सटीकः

मम्मटः, टी. गोविन्द.

सं. १८६५

३ नयमङ्गला (वात्स्यायनसुत्रव्याख्या) गुरुदत्तेन्दः

संवत् १६४२ संवत् १६४०

४ रुद्रटटीका ५ वात्स्यायनसूत्रम्

वात्स्यायनमुनिः

संवत् १६४२

#### S(3)--व्याकरण-श्रीणः

अन्य अन्यनामानि अन्यकर्तृनाम मुद्रणस्थानं संख्या मुद्रगुकालश्र १ अनुवृत्तिदर्गणम् रामचन्द्रः मुंवई २ अष्टाध्यायी पाणिनिः मुंबई ३ भ्राख्यातिकः दयानन्दः प्रयागः ४ आशुवोधव्याकरणम् तारानाथः कलकत्ता १८७३ ५ उणादिसूत्रवृतिः उज्ज्वलदत्तः कलकत्ता १८७३ वापदवः ६ कविकल्पद्रमः ्कलकता १८७२ वृत्तिकदुर्गसिंहः ७ कातन्त्रव्याकर्णं वृत्तियुतम् कलकता १८७४ न काशिकावृतिः जयादित्यः काशी १८७६ '६ कारकवादः जयरामः मुम्बई १८६४ १० क्रियापदप्रकाशः गोविन्दशास्त्री मुम्बई ११ गणदपेणम् रामनारायगाः कलकता १८४३ वर्धमानः १२ गणरतमहोदधिः प्रयागः १३ त्रिपयमा (पारिभाषेन्दुशेखरव्याख्या) राववेन्द्राचार्यः

काशी

१४ धातुकोशः विष्यु: मुम्बई १⊏६५ धर्मराजगन्धी १५ धातुह्मपकाशः रत्यारि: १८८७ भगवद्यासः १६ धातुरूपाकरः पञ्जाव १७ धातुह्मपदर्शः तारानाथः कलकत्ता १८७५ हरदत्तमिश्रः १८ पदमञ्जरी (काशिकाव्याख्या) काशी १८६० तथा तथा २० पदमञ्जरी (काशिकाव्याख्या) हरदत्तिभिश्रः काशी १८६० २१ परिभाषेन्द्रशेखरः नागेश: मुम्बई १८६८ २२ परिभावेन्डुशेखरो वाक्यार्थ-नागेशभट्टः टी. हरिशास्त्री काशी १८८७ चान्द्रकायुतः नागेशभट्टः, टी, कील्हार्न २३ परिभावेन्द्रशेखरः सटीकः मुम्बई १८६८ नागेशभटः, टी. गोविन्दशास्त्री २४ परिमावेन्युशेखरः अम्बाकर्त्रीयुतः पूना २५ परिभावेन्दुशेखरः मृतियुतः नागेशभटः टी. तात्याशास्त्री-पटवर्धनः काशी गणधरः, टी. अभयदेवः २६ प्रक्षव्याकरणसूत्रं सटीकम् कलकत्ता २७ प्राकृतलत्त्रणम् चराड: कलकत्ता १८८० वररुचि: २८ प्राक्तप्रकाशः लन्दन १८६८ २६ प्राक्तव्याकर्णमिङ्गलिपयुतम् इपीकेश:

कलकत्ता १८८३

३० भाष्यप्रदीपोद्योतः( विवरणम् ) नागेशभटः काशी भैरविभश्रः ३१ भैरवी ( शब्देन्दुशेखरव्याख्या) काशी ३२ मनारमरतशब्दटीकायुना भट्टोनिदीचितः टी. हरिदीचितः काशी ३३ महाभाष्यं प्रदीपविवरण्युतम्. पत्रञ्जालेः, टी.केयटः वि. क् नागेशमष्टः मुंबई १८८५ नवाहिकम् ३४ महाभाष्यं प्रदीपयुतम् पतञ्जलिः, टी. केयटः काशी ३५ मध्यासिद्धान्तकौ मुदी वरदराजः काशी १८८४ ३६ मन्युदेवी (पारिभाषेन्दुरेशखरव्याख्या) मन्युदेवः काशी ३७ मागधीयव्याकरणम् हेमचन्द्रः काशी १८६७ ३८ माधवीयधातुवृत्तिः माधवाचार्यः काशी १८६७ ३६ मुग्धबोधव्याकरणं सटीकम् बोपदवः, टी. दुगादासादयः ककलता १८८२ नागेशभट्टः ४० लघुमञ्जपा काशी ४१ लघुकौमुदी इंग्लिषव्याख्यायुता वरदराजः, टी. व्यालंटीन् कीशी ४२ वाक्यपदीयम् ( प्रकाशसहितम् ) भर्तृहरिः, टी. पुञ्जराजः काशी १८८४ ४३ विषमपदवाक्याविवृतिः राघवन्द्राचायः काशी ४४ वेदाङ्गमकाशः दयानन्द: प्रयागः ४५ वैयाकरणभूषणं दर्पणटीकायुतम् कोगडमर्टः, टी. हरिवछमः काशी

तथा तथा ४७ वैयाकरणभूपणसारः कोग्रडभट्टः पूना **कालहार्न** ४८ व्याकरणामिंग्लिषयुतम् मुंबई १८८८ 38 तथा तथा ५० शब्दकोस्तुभंः भट्टेगाजिदी द्वितः काशी १८६८ ५१ तथा तथा ५२ शब्दरतं भैरवीयुतम् हारिदीचितः, टी. भैरविमश्रः काशी ५३ शब्दार्घरतम् तारानाच: कलकत्ता ५४ शब्देन्द्रोखरः नागेशभटः काशी ५५ शांकरी (परिभाषेन्दुशेखरव्याख्या) शंकरः काशी ५६ तथा तथा ५७ सादाशिवभट्टी (शब्देन्दुशेखरव्याख्या) सदाशिवभट्टः काशी ५८ संस्कृतप्रथमपुस्तकम् रामकृप्णः मुंबई । ५६ संस्कृतव्याकरणम् राजकृष्णमुकर्जी कलकत्ता १८८७ ६० सारस्वतम् **अनुभृतिस्वरूपः** मुंबइ ६१ सारस्वतं प्रसादटीकायुतम् अनुभृतिस्वरूपः, टी. वासुदेवः मुंबई १८८७ <u>६२</u> सारस्वतं सटीकम् अनुभूतिस्वरूपः, टी. शक्तिधरः लखनौ १८६१

## S(3)—व्याकरणश्रोणिः

६३ सिद्धान्तकौ मुदी

भट्टोजिदीचितः

मुंबई

६४ सिद्धान्तको मुदी सरलाटीका युता भट्टोनिदी चतः, टी. तारानायः

कलकत्ता १८७२

६५ सिद्धान्तचन्दिका सटीका

रामाश्रमः, टी. सदानन्दः

#### S(3)ms.—व्याकरणश्रोणिः हस्तलिखिता

अन्य अन्थनामानि संख्या

१ ऋष्टाध्यायी

२ सारखंतव्याकरणम्

३ सिद्धान्ततत्त्वम

अन्यकर्तृनाम सुदरणस्थानं सुदरणकालश्र

पाणिनिः

**अनुभृतिस्वरूपः** 

स. १७६१

जगन्नाथपीएडतः

# S(4)—इतिहासपुराणादिश्रेणिः

| ्रयन्य अन्यनामानि                                        | म्रन्यकर्तृनार            | म मुद्रग्रह्य<br>मुद्रग्रकार | ग्रानं<br>तश्च |
|----------------------------------------------------------|---------------------------|------------------------------|----------------|
| संख्या<br>१ त्र्यग्निपुराग्णम्                           | <b>व्यासः</b>             | कलव                          | <b>तत्ता</b>   |
| २ ग्रग्निपुराणम्                                         | <b>ब्यासः</b>             | पूना १८                      | : <b>८</b> २   |
| ३ अणुमाघवः                                               | त्रिविक्रमभट्टः           |                              | मुंबई          |
| ४ ग्रद्भुतरामायणम्                                       | वाल्मीिकः                 |                              | मुंबई          |
| ९ ग्रव्यात्मरामायणं सटीकम्                               | टी. रामवर्मा              |                              | मुंबई<br>काशी  |
| ६ त्र्रयोध्यामहात्म्यम्<br>७ त्र्रात्मपुराणं सटीकम्<br>— | शंकरानन्दः,<br>श्वराश्रमः | टी. विश्वे                   | मुंबई          |
| १-२<br>८ आषाढमहात्म्यं स्कान्दान्तगर्तम्                 | <b>व्या</b> सः            | ,                            | मुंबई          |
| ६ त्रानन्दरामायणम्                                       | वाल्मीकिः                 |                              | मुंबई          |
| १० कल्किपुरांगम्                                         | व्या <b>सः</b>            | कलकत्ता                      | १८६०           |
| ११ - तथा<br>१२ कार्तिकमाहात्म्य पद्मपुराणस्थम            | तथा<br>ट्यासः             |                              | मुंबई          |
| १३ कार्तिकमाहात्म्यसाराद्धारः                            | <u>व्यासः</u>             |                              | मुंबई          |
| १४ काार्तिकमाहात्म्यम्                                   | सनत्कुमा                  | रः                           | मुंबई          |
|                                                          |                           |                              |                |

१५ काशीखगडम् व्यासः काशी १६ काशीदर्पणं भाषाटीकासुतम् टी. रूप्णचन्द कलकत्ता १७ काशीमाहात्म्य पादास्यम् व्यासः काशी १८ कूर्मपुराणम् व्यासः कलकता १८८६ १८ कूर्मपुराणम् व्यासः कलकता १८६० २० कृष्णजन्मखराडः ब्रह्मवैवर्तस्थः व्यासः मुंबई २१ गणेशपुराणम् व्यासः मुंबई तथा तथा २३ गयामाहात्म्यं वायुपुराणस्यम् व्यासः काशी व्यासः, टी. गौरीशंकरः २४ गरुडपुराणं भाषाटीकायुतम् लखना २५ गरुडपुराणम् व्यासः कलकत्ता २६ गर्गसंहिताश्वमेधखगडः मुंबई २७ चातुर्मास्यकल्पो वाराहपुराणस्यः व्यासः पृना २८ चातुर्भास्यमाहात्म्यं रकान्दर्यम् व्यासः मुंबई २६ चातुर्मास्यमाहात्म्यम् व्यासः मुंबई , श्रीरङ्गावादः ३० चैत्रमासमाहात्म्यम् **३१ जगन्नायमाहात्म्यं स्कान्दस्यम्** व्यासः

काशी

व्यासः

मुंबई

४७ बदरीनाघमाहात्म्यम्

४८ वृहन्नारदीयपुराराम्

कलकता १८६१ तथा

कलकता १८६८

लाखिनपुर १८६१

पूना १५६५

कलकत्ता

मुंबई

मुंबई

गुंबई

मुंबई

मुंबई

मुंबई

४६ तथा ५० वृहद्धर्मपुराग्रम्

व्यासः

तथा

तथा

92 तथा तथा

५३ ब्रह्मपुराणम् 🕠

व्यासः

५४ वहापुराणम्

५६ भविष्यपुरागाम्

व्यासः

व्यासः

9

३२

५५ व्रह्मवैवर्तपुराणं द्विखगडम्

व्यासः

५७ भागवतलीलाकलपद्धमः ¥5 तघा

तथा शिवसहायः

तथा

वंशीधरः

तथा ६१ मत्स्यपुराणम्

व्यासः

६२ माङ्गीरसाष्टकं ब्रह्माएडपुराणस्यम् वयासः

६३ मन्त्रभागवतं सटीकम्

५६ भागवतराङ्गानिवारणमञ्जरी

टी. नीलकगुठः ६४ मन्त्ररामायणं सटीकम्

व्यासः

६९ मलमासमाहात्म्यं पाद्मस्यम्

मुंबई

कलकता १८७६

व्यासः टी. नीलकएठः

व्यासः ६६ महाभारतम् कलकत्ता १८३४---३५ व्यासः ६७ महाभारतम् कलकत्ता व्यासः, टी.भगीरथः ६ महाभारतं सटीकम् मुंबई गङ्गाधरः ६६ महाभारतसारः मुंबई त्रानन्दतीर्घः ७० महाभारततात्पर्यम् मुंबई व्यासः ७१ महाशिवपुराणम् कलकत्ता व्यासः, टी. सनत्कुमारः ७२ महाशिवपुराणं सटीकम् मुंबई तथा तथा व्यासः ७४ मायापुरीमाहात्म्यम् मुंबई नारायग्रपागि उतः ७५ माध्वविजयं सटीकम् मुंबई तथा - तथा व्यासः ७७ मार्गशीषमाहात्म्यम् मुंवई मार्कगडेयः ७८ मार्कगडेयपुराणम् कलकत्ता १८६२ कल्ह्याः ७९ राजतराङ्गिणी मुंबई १८६२-६४ कल्ह्याः ८० राजतङ्गिणी कलकत्ता १८३५ व्यासः ८१ रामाश्वमेधः मुंबई व्यासः टी. गणेशः त्विङ्गपुराणं सटीकम् मुंबई १८८७

| ८३         | वराहपुराग्गम्                           | ंव्यासः        |                        |
|------------|-----------------------------------------|----------------|------------------------|
|            |                                         |                | कलकत्ता                |
| <b>∠</b> 8 | वामनपुराराम्                            | व्यासः         |                        |
|            | •                                       |                | मुंबई                  |
| <b>5</b> 9 | वायुपुरागाम्                            | व्यासः         | <b>V</b> . (           |
| १-२        |                                         |                | कलकत्ता १८८३           |
| <b>⊏</b> § | वाल्मीकीयरामायणं सटीकम्                 | वाल्मीकिः      |                        |
| ₹-8        | 11/11/11/11/11/11/11/11/11/11/11/11/11/ | acatta.        | सुंबई                  |
|            | बाद्यक्तिस्यास्याम् सरीक्रम             | नारुगीकि:      | धै-<br>टी- गोविन्दराजः |
|            | वाल्मीकीयरामायणं सटीकम्                 | वारमा।वाः      | यः गापन्यसानः<br>मुंबई |
| १-१        | <u> </u>                                |                | <b>યુ</b> વફ           |
| スて         | विष्णुपुरागम्                           | व्यासः         | 2_•                    |
|            |                                         |                | मुंबई                  |
| 37         | वृन्दावनमाहात्म्यम्                     | व्यासः         |                        |
|            | _                                       |                | मुंबई                  |
| 03         | वेदस्तुतिः भागवतस्था                    |                | मुं बई                 |
| 68         | तथा                                     | तथा            |                        |
| 83         | वैशाखमाहात्म्यम्                        |                | मुंबई                  |
| ६३         | वैद्यनाथमाहात्म्यम्                     |                | काशी                   |
|            | शंकरादिग्विजयः सटीकः                    | माध्रवाचा      | र्यः, टी. घनपतिः       |
|            |                                         |                | मुंबई                  |
| 99         | शंकरादिग्विजयः सटीकः                    | माधवाचार       | र्पः, टी. धनपातः       |
| •          |                                         |                | पूजा १८६१              |
| .0°E       | शांकरमतप्रकाशो भाषाटीकायुतः             | रामावतार       |                        |
| • •        | 41.11/11/11/41 11/11/11/3"              |                | पटना                   |
| रूर्ज      | शेवभक्तिविलासः स्कान्दस्यः              | <b>ट्या</b> सः |                        |
|            | श्रावर्णमाहात्म्यम्                     | .,,,           | मुंबई                  |
|            | श्रीमद्भागवतप्रयमस्कन्या                | व्यासः         | <i>y</i>               |
|            | न३टीकायुतः                              | - 11/11        | कलकत्ता                |
| 900        | श्रीमद्भागवतम्                          | व्यासः         | 20 20-20 (1)           |
| 5-8        | MINNIANT.                               | - 71/11        | मुंबई                  |
| •          | श्रीमद्भागवतं सटीकम्                    | रुगाम∙ र्य     | गुन्ह<br>ो. विजयध्वजः  |
| 1 - 1      | MUSICAL HOLD                            |                | 1. 1242-141.           |

| १०२ श्रीमद्भागवतं सटीकम्                                                      | े व्यासः, टी. गिरिघरः           |                |
|-------------------------------------------------------------------------------|---------------------------------|----------------|
| र-५<br>१०३ श्रीमद्रागवताद्यक्षेतिकव्याख्या                                    | र्वशीधरः                        | मुंबई<br>•     |
| १०४ श्रीमद्गागवतमाहात्म्यं पादा <del>र</del><br>१०५ सत्यनारायग्यक्घा हिंदीयुत | थम्<br>ा व्यासः                 | मुंबई<br>लखनो  |
| १०६ साम्बपुरागम्                                                              | <b>व्यासः</b>                   | मुंबई<br>मुंबई |
| १०७ सिंहस्थगुरुमाहात्म्यम्<br>१०८ सूतसंहिता सटीका                             | व्यासः, टी. माधवाचार्यः<br>पूना | मुबइ<br>१⊏६३   |
| १०६ सीरपुरायाम्<br>११० सीरपुरायाम् "                                          | व्यासः<br>व्यासः<br>पृना        | 8==E           |
| १११ स्वयंभूपुराणम् (वृहत्)                                                    | व्यासः<br>कलकता                 |                |
| ११२ हारिवंशः                                                                  | व्यासः<br>कललत्ता               | १८३६           |
| ११३ हरिवंशः सटीकाः                                                            | व्यासः टी. नीलकर                | ठः<br>मुंबई    |

#### 8 (4)ms.—इतिहासपुराणादिश्रेणिः हस्मलिखिता

अन्य अन्यनामानि अन्यकर्तृनाम मुद्रग्रस्थानं संख्या मुंद्रणकालश्र १ कूमेपुराणम् व्यासः २ ब्रह्मोत्तरखग्डम् व्यासः ३ भार्गवोपपुराणम् ४ माघमाहात्म्यं पाद्मस्थम् व्यासः . ५ रामाश्वेमधः व्यासः सं. १⊏६२ ६ शंकरादिग्विजयसारः सं.१६४५ ७ शिवपुराणम् व्यासः ८ श्रीमद्भागवेतकादशस्कन्धः सटीकः व्यासः टी. श्रीधरः ६ श्रीमङ्गागवतभूषणम् **स.** १६४४ १० हरिलीला (भागवतटीका) सं. १६४४

# S(5)—-धर्मशास्त्रपद्धत्यादिश्रेणिः

ग्रन्थ ग्रन्थनामानि संख्या ग्रन्यकर्तृनाम मुद्रग्रस्थानं मुद्रग्रकालश्र

१ ऋष्टादशस्मृतिः भावाटीकायुता

त्रजीगढ १८१

२ ग्रन्त्येष्टिदीपिका

सुब्रह्मग्यः

काशी १८८६

३ अन्त्येष्टिप्रयोगः

मुंबई

४ अन्त्येष्ट्यर्कः ५ आचारार्कः

दिवाकर:

मुंबई

६ श्राचारमयूखः

नीलकग्ठमष्टः

७ ग्राह्मिसुत्रावली

काशी १८७**६** 

वैद्यनारायणः

मुंबई

८ तथा

तथा

तथा तथा

ग्रापस्तम्बः

मुंबई १८९२

११ त्र्यापस्तम्बधर्मसूत्रम्

१० त्रापस्तम्बधमसत्रम्

त्र्यापरतम्बः मुंबई १८६८

१२ त्रापस्तम्बधर्मसूत्रम्

त्र्यापस्तम्बः मुबई १८७**१** 

१३ ऋाशोचनिर्णयः

त्र्यम्बकः

मुंबई

१४ तथा

तथा

मुंबई

१५ त्राश्वलायनगृह्यपरिशिष्टम्

<u> यं</u>बई आश्वलायनः १६ आवलायनगृह्य रूप्रम् मुंबई १७ आध्वलायनब्रह्मकर्म १= उत्सर्गमयूखः नीलकारठन हः काशी रानामश्रः १९ उद्घाहसमयमीमांता काशो १८९० २० कमीवेपाकसंहिता भाषाटीकायुता रविदत्तः मुंबई १८९० २१ कायस्यपद्धतिः गागाभटः मुंबई माधवाचार्यः २२ कालमाधवः कलकता मायवाचार्यः काशी २३ कालनायनः कारी २४ कृत्यसारसमुच्चयः अमृतनायः गणेशः २५ कत्यतंत्रहः मुंबई २६ कुगडकल्पद्धमः माधवश्चवलः काशी १८७९ २७ कुराडतिद्धिः विद्वलदीचितः काशी २८ कुराडाकेः शंकरः काशी २९ कोलगजमर्दनम् कृष्णानन्दाचलः काशी मंबइ ३० क्रियमाणप्रयोगसंग्रहः तथा 'तया ३२ गयाश्राद्धपद्धतिः तारानाथः कलकता १८७२ पारस्करः भा. का. हरिहरः ३३ गृह्य तुत्रं सभाप्यम्

३४ वृह्यनूत्रं सपरिशिष्टम

कलकता १८८०

गाभिलः

काशी

<sup>.</sup>३५ गामिलपृद्यक्तर्मन्रकाराः सुब्रह्मग्यः काशी १८८६ ३६ तथा ' तथा ३७ चतुर्वर्गचिन्तामािः हेमादिसरिः 2-4 कलकता १८७३-९५ शिवरामिश्रः ३८ छन्दोगाहिकम मुंबई नन्दपरिखतः ३९ तन्त्रभुक्तावली काशी ४० तिथिनिर्णयमञ्जयां कृपारांकरः मथुरा , ४१ दत्तकचन्दिका भाषाटीकायुता टी. हवीकेशः नाहोर १८८२ ४२ दत्तकमीमांसा नन्दपरिडतः काशी १८७४ ४३ दशक में पदातीः काशी ४४ दानचन्द्रिका दिवाकरं: मुंवई नीलकग्ठः ४५ दानमयूखः काशी १८८० ४६ दाननाक्यावली लखमा नासी ४७ दायभागः सटीकः जीरतप्राह्नः टी. श्रीकृष्णः कलकता १८९३ ४८ दुःखनत्रमीव्रतपूजा श्रीकृष्णः ४९ देतपरिशिष्टम् केशवामिश्रः काशी । ५० धर्मत्रचारः (भाषाटीकाचुतः) मुंबई ५१ धर्मसिन्युः (भागाटीकायुतः) काशीनाथः मुंबइ

तथा

५२

तथा

| ५३ नारदस्मृतिः सटीका                    | नारदः                        |
|-----------------------------------------|------------------------------|
|                                         | कलकता १८८५                   |
| ५४ नारायणसारसंग्रहः                     | सुंबई                        |
| ५५ नित्यक्तमेपद्धतिः                    | मुंबई .                      |
| _                                       | · '                          |
| ५६ निर्णयसिन्युः                        | कमलाकरमटः                    |
|                                         | मुंबई                        |
| ५७ निर्णयसिन्युः                        | कमलाकरमटः                    |
| _                                       | ं लखनौ १८७८                  |
| ९८ निर्णयामृतम्                         | ंमञ्चाटनाष्यः                |
| •                                       | मुंबई                        |
| ५९ नातिमयूखः                            | नीलकग्ठभष्टः                 |
|                                         | काशी १८८०                    |
| ६० पतितोद्धारमीमांसा                    | मुंबई १८९७                   |
| ६१ पराशरस्मृतिः                         | पराश्चरः                     |
| दे ( नरावरस्थातः                        | ग्रासार -<br>मुंबई           |
| 62                                      | • • •                        |
| ६२ पराश्वरसृतिः (भागटीकायुता)           | पराशरः, टी. गुरुप्रसादः      |
|                                         | ्र लाहोर १८८२                |
| <u>६३</u> पराशरमाथवः<br>१-६             | माधवाचायः                    |
| <b>*</b> -₹                             | ्र मुंबई १८८०                |
| <u>६४</u> पराश्चरमाधवः<br>१-२           | माधवाचार्यः 🔍                |
| 1-7                                     | मुंबई १८९३                   |
| ६९ पुरुपार्धप्रकाराः (भाषाटीकायुतः)     | विश्वरानन्दः, टी.नित्यानन्दः |
| • • • • • • • • • • • • • • • • • • • • | श्रजमर १८९३                  |
| · ६६  पूजापङ्कजभास्करः                  | गुण्थरींसहः                  |
| 11 5 11 1 th 1 11 11 11                 | मुंबई                        |
| ६७ पञ्चमहायज्ञविधिः                     | दयानन्दः                     |
| ५ - नचम्हानसामापः                       | च्यागर् <b>र</b><br>काशी     |
|                                         |                              |
| ६८ प्रतिष्टामयूखः                       | नीलकगठभटः                    |
| 201                                     | मुंबई<br>•                   |
| ६९ प्रतिष्ठातंत्रहः                     | <b>मुं</b> बई                |
| ७० प्रपश्चसार्विवेकः                    | गङ्गाधरः                     |

७१ प्रवीगरतन् नारायग्रभटः मुंबई ७२ तया तथा गोपालः ७३ प्रायश्चितकदम्यः काशी १८७५ काशीनाघोनाव्यायः ७४ मायाश्चितेन्द्रशेखरः ् सुंबई श्लनाणिः ७५ प्रायश्चित्तत्त्वापर्वेकेः काशी तया तया नीलकएठभट्टः ७७ प्रायश्चितमपूखः काशी १८७६ श्रीरणवीरतिहमहाराजः ७८ प्रामश्चितमहानिबन्बः ७६ प्रायाश्चितमञ्जरी वा रूभट्टः <del>ह</del>ेंदई ८० शायश्चितव्यवस्यासारसमुञ्चयः श्रमृतनाथः काशी . इ.वर्डे ८१ वोबायनप्रयोगमाला ८२ व्रह्मकर्म (ऋग्वेदिनाम्) ८३ भ्रान्तगारणदर्गणम् **ज्ये**टारामजयतरामी मुंबई ८४ मदनपारिजातः मदनपालमहाराजः कलकता १८९० ८५ म उत्तृतिटीकातंत्रहः जालीसाहेव कलकता १८८५ ८६ म उत्तृतिः (व रुटोका युता) मन्: 冠 विश्वनाधनारागणमायडलिक हुदिता र्मुबई १८८६ ८७ म रुस्मातेः सटीका मनुः, टी. बुलद्रक्रभटः कलकता १८७४ ८८ मनुस्मृतिः (हिंदीटीकायुता) म्युः, टी. गुलनारपरिडतः काशी १८७८

१०६ निवादरताकरः

८६ मनुत्तमृतिः ( सटीका ) मनुः, टी, मिहिरचन्दः लखना १८९० राममिश्रः **९० मन्त्रमीमां**सा काशी १८८६ काशी ९१ मातृका रूजा भीमसेनः ९२ मानवयममीमांसाभूमिका भगपागः ९३ मानवधर्मसास्त्रम् ( संस्कृतभावाद्ध- भीमसेनः योनेतम् ) इटादा १८६७ ९४ मिताच्त दुगीनसादद्विदेदः लखनौ १८८८— ९० ९५ यज्ञापवीतपद्धातिः काशी भेवह ९६ याज्ञत्रलक्यशिचा याज्ञवल्क्ष्यः ९७ याज्ञत्रस्यत्मृतिः मिताच्रापुता याज्ञदल्क्यः, टी दिज्ञानेश्वरः मुंबई १८६७ याज्ञवल्क्यः, टी. रिवदतः ९८ याज्ञ गरमगरमृतिः (भागानुवादयुता) ९९ याज्ञत्रारुक्यत्स्रतिःभागाटीका्ष्रुता याज्ञवरुक्यः, टी. गुरुप्रसादः लखना १८७७ १०० वर्वस्त्या रद्भवरः काशी १०१ वर्णात्रेकचन्द्रिका काशीनायः मुंबई १०२ वाशिष्टवर्मशास्त्रन् दारिष्टः गुंबई १८८३ १०३ तया तया १०४ वाशिष्टहोमयद्धीतः काशी १०५ निजयदरामीनिर्णयः के राव साहती मुंबई

क्तलकृता १८८७

न्परेड्यरः

तथा ११२ वेदप्रामाएयचान्द्रका

११३ व्यवहारमपूखः ११४ व्यामो उविदावसम् भेवई ' इं.करभटः, टी महेशदतः स्वे १८७७ विश्वनायः सुंबई रामामिश्रः

१११

११५ व्रतरत्नाकरः ११६ ब्रताकः (भाषाटीका उतः) ११७ वतराजः ११८ बात्यंतरकारमीमांता कारते. ११६ तथा तया १२० शाश्वतवर्मदीाविका गङ्गावरशास्त्री काशी १८५३ १२१ शान्तिक नलाकरः कमलाक (भटः पूना १२२ शान्तिम रूखः नीलक एउम्हः काशी १८५६ १२३ शित्र गुजापदातिः **मुं**बइ १२४ शुद्धिमयूखः

नी,लक्षरुपटः काशी १८७६

| १२५ इ    | ाृट्कमलाकरः <sub>.</sub>                 | कानलाका (भेड         | <b>;</b> : | 2-:-                 |
|----------|------------------------------------------|----------------------|------------|----------------------|
| १२६ ३    | गाद्धमपूखः                               | नीलक्राउभट           | _          | <b>उं</b> नई         |
| १२७ श्   | ग्राडविवेकः                              | रुद्वरः              | काशी       | ३०२१                 |
| و عدد    | ग्रद्धतिवेकः <sup>*</sup>                | रुद्दरः              |            | काशी                 |
|          | •                                        | V31/·                | <i>}</i>   | मुंबई '              |
| १२६ ४    | गात्रणीकमेप <b>द्धतिः</b>                |                      |            | काशी                 |
| १३० स    | ात्तिद्धान्तमाते <b>रडः</b>              | गदृतालः              |            |                      |
|          |                                          |                      |            | मुंबई                |
| १३१      | तया                                      | तथा                  |            |                      |
| १३२ स    | <b>ा</b> नागेदीपः                        | श्रीरङ्गह्रिः        |            | A.                   |
|          | 1                                        |                      | मुबइ       | 1250                 |
| १३३ स    | समममूखः                                  | नीलकएठभद्यः          | 6          | <b>\</b>             |
|          | <b>A</b> -                               |                      | कारत       | १८५०                 |
| १३४ स    | प्रवेदेवगति <i>छातंत्रहः</i>             | रामलालः              |            | <b>1</b> 122         |
| १३५ स    | स्वर् <sub>लञ</sub> न्दाः ( साट्यानाम् ) | <b>रृ</b> र्णप्रज्ञः |            | सुवई                 |
| • • •    |                                          |                      | ,          | गुंबई                |
| १३६ ह    | करनकरपना                                 | रामचन्द्रः           |            | •                    |
| , , , ,  |                                          |                      |            | मुंबई                |
| १३७ स    | iरकारकोन् <u>न</u> ुभः                   | धानन्तदे <b>नः</b>   |            |                      |
|          |                                          |                      |            | मुंबई                |
| १३= ह    | न्त्कारभा <del>रका</del> रः              |                      |            | , गुनइ               |
| 135      | न्त्कारम <u>म</u> ्बः                    | नीलकार्ठनदृ          |            | <i>r</i> (           |
|          |                                          | 50                   | काशी       | 8=06                 |
| १४० र    | तत्काररत्नमाला                           | गोपानायः             |            | All makes            |
| 8 to 6 = |                                          | -                    | , <i>i</i> | पूना,                |
| र ८ ५ ५  | तस्कारिनायेः हिंदीटिकायुताः              | द्यानन्दः            | ,          | प्रयागः <sup>7</sup> |
|          |                                          |                      |            | * ( ) ( ) *          |

## £(¿)—धर्मशास्त्रपद्धत्यादिश्रेगिः

| १४२ स्मृतितस्त्रम्<br>१-२<br>१४३ स्मृतिपश्चकम् | <b>1</b>              | ॱ १⊏६५<br>ोरङ्गबाद<br>। १८७ <b>६</b> |
|------------------------------------------------|-----------------------|--------------------------------------|
| १४४ स्हृतिसंत्रहः<br>१४५ स्मृत्ययसारः          | <b>वृसिंहाचार्यः</b>  | मुंबई                                |
| <b>१</b> ४६ स्तृत्पर्यतारः सटिप्पनीकः          | <b>वृ</b> सिंहाचार्यः | मुंबई                                |
| १४० होमर धातः                                  | लम्बादरः              | मुंबई                                |

#### S(5)ms:—धर्मशास्त्रपद्धत्यादिश्रेशिः हस्तीलखिता

अन्य अन्भनामानि संख्या अन्यक र्वनाम सुद्रणस्थानं सुद्रणकाल्श्र

१ इत्यरत्नादली

रामचन्द्रः

सं. १८५२

२ जयतिहकल्पद्रमः

श्रीनयसिंहमहाराजः

३ निर्णयाष्ट्रतम्

गोपीनाघः

संवत् १९०७

४ वाशिष्टसंहिता

दशिए:

संबत् १६५५

५ विवादार्णवभञ्जनम्

वालेश्वरादयः

#### S(6)—वैदिकश्रेणिः

अन्यकत्नाम मुद्रग्रधानं य्रन्य यन्यनामानि संख्या मुद्रण कालश्र १ अयर्शेदसंहिता मुंबई १८८४ २ श्रयवेवेदसंहिता वर्लिन् १८५६ ३ अयर्वेवदसंहिता अनमर ४ अयमेदेवसंहितासभाष्या मा. इत गाधदाचार्यः 2.8 मुंबई १८६९—६८ ५ अधर्ववेदप्रातिशाख्यम् इङ्गलिवयुतम् ६ अञ्जापिनवसात्त शोपिनवदौ श्रोरंगाबाद. ७ ऋा्यर्वणोपनिषदसटीका टी. नारायणः कलकता १८७२ तथा तथा ९ आरएयतहिता सभाष्या भा. कुथुमहार्पः मुंबई १८६१ १० आरएयसंहिता सभाष्या भा, माध्वाचायः , कलकता १८६१ ११ अथलायनश्रीत उन्नम् ऋश्वलायनः कलक ता १२ श्रापरतम्बश्रोतसूत्रं वृत्तिसहितम् श्रापरतम्बः, टी. सद्दत्तः कलकता १८५२ १३ ई एको नका उन्भाम्य डमा-मा. शंकराचार्यः रा इक्योपनिवदः सभाष्या कलकता १८५० १४ ईशोत्रात्योगनित्रत्सभाष्या भा. इं.कराचार्यः

पूना १८५८

| १५         | ईशाद्यद्वीपनिपदी भाषादीकागुताः  | टी. पीताम्बरः           |
|------------|---------------------------------|-------------------------|
|            |                                 | मुंबई १८७६              |
| १६         | उपानिषद्वाक्यकों शः             | जेकवसाहेवः              |
|            | 2 2 2                           | मुंबई १८९१              |
| १७         | उपनिषत्समुचयो दीरिकायुतः        | इं.करानन्दः<br>         |
| ۰-         |                                 | पूना<br>भा. माववाचार्यः |
| 1-         | ऋगिदप्रयमाष्ट्रकाष्ट्रयायद्वपं- | नाः नावनावावः कलकता     |
| 00         | सभाष्यम्                        | વારાવાલા                |
| 1-5        | ऋग्नेदसंहिता साउक्रमणिका        | <b>ग्रजमेर</b> '        |
| • •        | ऋग्येसंहिता सभाष्या             | भाः माथवाचार्यः         |
| 10         | 72-1111Q11 (1-11-11             | कलकता                   |
| <b>3</b> 9 | ऋगेदः.द्वितीयादिपञ्च-           | भा. माधवाचार्यः         |
| ,,         | मराडलान्तः सभाष्यः              | कलक ता                  |
| २२         | ऋग्येदप्रयममग्रहलभाष्यम्        | माधवाचार्यः             |
|            | ऋग्वदभाष्यत्                    | दयानन्दः                |
| 1-13       | 16 1 X 11 1 4                   | प्रयागः                 |
| २४         | ऋगेदसंहिता सभाष्या              | भा. मायवाचार्यः         |
| ₹.€        |                                 | लएडन १८४९               |
| २५         | ऋग्वेदसंहिता                    | पूना                    |
| २६         | ऋग्वेदसंहिता                    | गुंबई                   |
| २७         | तथा                             | तथा                     |
| २८         | तथा                             | तथा                     |
| २९         | ऐनरेयोपनियत्, सभाप्या           | भा. भीमसेनः             |
|            |                                 | इटावा                   |
| ३०         | ऐतरेयत्राह्मणं सभाष्यन्         | भा. मायवाचार्यः         |
|            |                                 | कलकता १८९५              |
| 38         | ऐतरेयत्राह्मणं सभाष्यत्         | भा. माधवाचार्यः         |
| 22         |                                 | - पूना                  |
| 37         | तया                             | तथा                     |
| . ५ २      | ऐतरियारएयकं सभाष्यन्            | मा. माध्याचार्यः        |
|            |                                 | कलकता १८७६              |

कलकत्ता १८५०

३४ ऐतरेयारगयकं सभाष्यम् भा. माधवाचार्यः पूना १८८९ भा शङ्कराचार्यः ३५ ऐतरेयोपनिपत् सभाष्या पूना १८८९ ३६ कठोपनिषत् भीमसेनः प्रयागः १८९० ३७ कठोपनिषत् टीकाद्वययुता 🗸 टी. शंकराचार्यः पूना १८८६ टी. शंकराचार्यः पूना १८८९ ३८ कठोपनिषत् टीकाद्वययुता भा. ऋीवटः ३९ कात्यायनत्रतिशाख्यं सभाष्यम् कलकत्ता १८९३ भा. सायगाचार्यः ४० कृष्णयजुर्वेटसंहिता सभाव्या पूना ४१ रुप्णयजुर्वेदीयश्वेताश्वतरो-भीमसनः पनिपद्भाष्यम् इटावा १८९७ मा. राङ्कराचार्प्यः ४२ केनोपानिवत्सभाष्या पूना १८८८ ४३ कोषीतकीयब्रह्मणीपनिषद् शङ्करानन्दः दीपिकायुता कलकत्ता १८६१ ४४ गरेणशार्थवशीर्प समाप्यम् पूना १८८८ ्४५ गायत्रीभाष्यम् भा. जगन्नाथः कलकत्ता १८८६ तथा तथा .ताराना**धतर्कवाचस्पतिः** ४७ गायत्रीव्याख़्या कलकता १८७५ ४८ गोपघबह्मग्रम् कलकत्ता १८७२ ४९ गोपालतापिनी सन्याख्या व्या. विश्वेश्वरः ५० चरणव्यूहवृत्तिः -विरी. महिदासः ५१ चिच्युपनिषद् मुबई ५२ छान्दोग्योपनिषत्सटीका टी. राङ्कराचार्य्यः श्रानन्दागीरेः

टी. शङ्कराचार्थ्यः श्रानन्दागिरिः ५३ छान्दे।ग्योपानेपत्सटीका पूना १८९० भीमसेनः ५४ तलवकारोपानिपद् प्रयागः भा. माधवाचार्यः ५५ ताराज्यमहाबाह्मर्गे सभाप्यम् 8-4 कलकत्ता १८७०-७४ ५६ तैत्तिरीयप्रातिशाख्यं त्रिभाष्यरत-कलकत्ता १८७२ व्याख्यायुतम् भा. माधवाचार्यः ५७ तैतिरीयबाह्मणं सभाष्यम् १-३ पुना 95 तथा तथा ₹-₹ कलकत्ता १८६२ भा. माधवाचार्यः ५६ तैतिरीयसंहिताभाष्यम् कलकत्ता १८६०-६६ १-२ दशानुवाकान्तम् ६० तैतिरीयसंहिता सभाप्या भा. माधवाचार्यः कलकत्ता १८८६०---८१ ६१ तेतिरीयारएयकं सभाप्यम् भा. साधवाचार्यः पूना ६२ तैतिरीयारगयकं सभाष्यम् भा. माधवाचायः कलकत्ता १८७२ ६३ तेतिरायैतरेयश्वेताश्वतरोपनि-टी. राष्ट्ररानन्दगिरिः पदः सटीकाः कलकत्ता १८५० ६४ तेतिरीयोपनिपत्सटीका भाष्योपता भा. राङ्कराचार्यः पूना १८८६ ६९ तैतिरीयापनिषद् भाषाटीका्युता टी. भीमस्त्नः प्रयागः १८-६२ ६६ तेतिरीयापीनपद्गाप्यवार्तिकम् सुरेश्वराचाय्यः पूना १८८९ ६७ देवतपड्विंशब्राह्मणं सभाप्यम् भा. माधवाचाय्यः कलकत्ता १८८१ ६८ द्वादशायाँपानिपत् सिटिप्पनीका टि. जेकवसाहब

मुंबई १८५१

६६ द्वादशोपनिषत् मुंबई मुंबई ·७० नारायगोपानेपत् यास्कः टी. देवराजयज्वा ७१ निरुक्तं सटीकम् कलकत्ता भा. शङ्कराचाय्येः ७२ नृसिंहतापिनी भाष्ययुता कलकत्ता ७३ नृसिंहपूर्वोत्तरतापिनी सभाष्या भा. शङ्कराचार्यः पुना पािणानः ७४ पाणिनीयशिद्धा सभाप्या काशी १८८७ भा. माधवाचार्यः ७५ पुरुपसूक्तं सभाष्यम् तथा तथा ७७ प्रतिज्ञासूत्रम् कात्यायनः मुंबई ७८ प्रक्षोपनिषद् भाषाटीकोपेता टी. वलदेवः **प्रयागः** भा. शङ्कराचार्यः ७६ प्रश्नोपनिपत् समाप्या १८८८ पूना ८० ब्रह्माविद्योपनिषत् मुंबई ८१ ब्राह्मणसर्वस्वम् हलायुधः काशी ८२ वृहदारएयकोपनिषत्समितात्त्ररा . नित्यानन्दः सटी का पुना १८५६ भा राङ्कराचार्यः टी स्नानन्दं-८३ वृहदारएयकोपनिपत् सटीका भाप्यसंवलिता गिरिः पूना १८९१ <8 तथाः तथा 18-2 कलकता १८४८-४९ ८५ वृहदारगयकोपनिपद्-भा सुरेश्वराचार्यः टीर माप्यवार्त्तिकम् त्रानन्दगिरिः पूना १८८२ ८६ बृहद्देवता देशानकः 🕕 कलकता १८९२

|                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                | -                            |
|--------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|------------------------------|
| ८७ मृगूपनिषत्                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                  | भृगुः 🗸                      |
| , , , , , , , , , , , , , , , , , , , ,                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                        | <b>गुं</b> नई                |
| ८८ मन्त्रबाह्मणं सभाष्यं वङ्गानुवादः                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                           | ध                            |
| ८९ मन्त्रार्थदीपिका                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                            | <b>शत्रु</b> घः              |
|                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                |                              |
| S1                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                             | कारी                         |
| ९० माराङ्क्योपनिषत् सभाष्या                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                    | भा. शङ्कराचार्घ्यः           |
|                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                |                              |
| <b>९१ मार्य</b> ङ्क्योपनिषद् भाषाटीकायुता                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                      | पूना १८६०                    |
| र र गरश्चामाग्यक् मापाटाकायुता                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                 | टाः मामसनः                   |
|                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                | त्रयागः १८९१                 |
| ९२ माराङ्क्योपनिषद् भाषाटीकायुता                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                               | र्ही. वलदेवः                 |
|                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                | -                            |
| 012                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                            | त्रयागः १ <i>८</i> ६१        |
| <b>९३ मुराडकोपानिषत् समाप्या</b>                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                               | भा. शङ्कराचार्यः             |
|                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                | ·                            |
| ९४ यजुर्वेदः सभाष्यः                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                           | पूना १८८८                    |
| १० पञ्चिम् समाज्यः                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                             | गिरधरः                       |
| <u> </u>                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                       | दयानन्दः                     |
| ₹-₹                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                            | त्रयागः <b>.</b>             |
| <b>९६ यजुर्वेदसंहिता</b>                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                       |                              |
| 14 1314/116/11                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                 | लाहोर                        |
| <u> ९७</u> यर्जेवदसंहिता                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                       | <b>ञ्च</b> नगेर              |
| १-२                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                            | •                            |
| ९८ रामतापिन्युपनिपद् दीपिकायुता                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                |                              |
|                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                | दी. नारायणः काशी १८७६        |
| ९६ रुदाध्यायाभायोव्यद्वयोपेतः                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                  | भा. माधवाचार्य्य भट्टभास्करौ |
|                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                | पूना १८६०                    |
| १०० रुद्राध्यायो भाष्यद्वयोापेतः                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                               |                              |
| The state of the s | भा. माध्वाचार्य्य भास्तरा-   |
| h . a >> a                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                     | चार्यो पूना १८००             |
| १०१ वाजसनेयोपनिपद् ह                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                           | ग्री वलदेवः                  |
| भाषाटीकायुता                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                   |                              |
| १०२ वेदभाष्यभृमिका                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                             | प्रयागः                      |
| र र वस्याच्यम्। मना                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                            | दयानन्दः                     |
| ** **                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                          | काशी                         |
| १०३ वेदिककोशः सूचीसाहितः                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                       | भास्कराचार्यः                |
| A unda                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                         |                              |
| १०४ वेदिकपद्मतिः                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                               | <b>मुं</b> वई                |
| १ - ७ भाष्यभन्द्रातः                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                           | रुप्णनन्द:                   |
|                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                | <b>मुं</b> बई                |
|                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                | 372                          |
|                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                |                              |

| १०५ शाङ्खायनश्रोतसूत्रं सटीक्रम्         | त्रानर्तीयः               |
|------------------------------------------|---------------------------|
| ₹-₹                                      | कलकत्ता १८८८              |
| १०६ शिच्तोपनिषत् '                       | मुंबई                     |
| १०७ शिचासंत्रहः सटीकः                    | याज्ञवल्क्यादिः           |
| 1 - Manthe than                          | काशी १८८६                 |
|                                          |                           |
| १०८ शुक्कयजुःप्रातिशाख्यं सभाष्यम्       | कात्यायनः भा. श्रोवटः     |
|                                          | काशी १८८४                 |
| १०६ शुक्लयजुःप्रातिशाख्यं सभाष्यम्       | कात्यायनः श्रोवटः         |
|                                          | काशी १८८८                 |
| ११० शुक्लयजुर्वेद वेददीपभाष्ययुतः        |                           |
| 11, 210,314,144,11,311                   | कलकत्ता                   |
|                                          |                           |
| १११ शुक्कयजुर्वेदः सभाष्यः               | गिरघरः                    |
| ११२ श्रीसूक्तं सभाष्यम्                  | भा. श्रीकराठः             |
|                                          | मुंबई १८९२                |
| ११२ श्रोतपदार्घनिर्वचनम्                 |                           |
| 111 Sunsacrining                         | नागेश्वरः'<br>, काशी १८८७ |
| 0.043                                    | 1 1150 100                |
| ११४ ् तथा                                | तथा                       |
| ११५ श्रीतसुत्रं समाध्यम्                 | लाट्यायनः                 |
|                                          | कलकत्ता १८७२              |
| ११६ श्वेताश्वतरोपनिषत्                   | ं पूना १८६०               |
| ११७ सर्वानुक्रमाशिद्यादियुतशुक्रयजुर्वेद |                           |
| ११८ संध्यापद्धतिः                        | गुरुसहायः                 |
| 110 timesta.                             | _                         |
| 0.001                                    | काशी                      |
| ११९ संध्यापद्धतिः                        | गुरुसहायः                 |
|                                          | त्रागरा                   |
| १२० संध्याभाष्यसमुच्चयः                  | खरडदीदितः                 |
| •                                        | पूना                      |
| १२१ सामवेदसांहिता सभाष्या -              | भा. माधवाचार्थ्यः         |
| 8-4                                      |                           |
| •                                        | कलकत्ता १८७४              |
| १२२ सामवेदसंहिता (ऋप्यादिसंवालिता        | ()<br>-                   |
| 8-8                                      | श्रजमेर                   |
| १२३ सामवेदसंहिता                         | लाहोर                     |
|                                          | . –. ,                    |

१२४ सामवेदभाष्यम् १२९ सामवेदमन्त्रसंहिता १२६ हेगडवुक (ऋग्वेदभन्त्राणि-१-२ इङ्गलिशानुवादयुतानि) तुलसीरामः

मेरठ

सूर्यप्रकाशयन्त्रालयः

पिटर्सन् साहिव मुंबई १८९२-९३

### S(7)—वेदान्तक्षेणिः

| ग्रन्थ ग्रन्थनामानि<br>संख्या           | अन्धकर्तृनाम मुद्रण्स्थानं ।<br>मुद्रणकालश्र      |
|-----------------------------------------|---------------------------------------------------|
| १ श्रद्वेतब्रह्मासिद्धः                 | सदानन्दः<br>कलकत्ता १८९०                          |
| २ तथा                                   | तथा                                               |
| ३ अद्देतसाम्राज्यम्                     | <b>रु</b> ण्णानन्दसरस्वती                         |
| ४ अनुभूतिप्रकाराः                       | मुंबई<br>विद्यार <b>खः</b>                        |
| 3 4 4 4 4 4 4 4 4 4 4 4 4 4 4 4 4 4 4 4 |                                                   |
| ९ अपरोद्यानुभूतिः                       | शङ्कराचार्यः                                      |
| ६ अवधृतगीता                             | मुंबई<br>दत्तात्रेयः .                            |
| 4 8                                     | मुंबई                                             |
| ७ अष्टावकगीता '                         | मुंबई                                             |
| ८ अष्टावक्रगीता सटीका                   | टी. विश्वेश्वरः                                   |
| ६ उपदेशसाहस्री सटीका                    | मुंबई<br>शङ्कराचार्यः टी. रामताथः                 |
| , and a state                           | मुंबई १८८६                                        |
| १० तथा<br>११ कपिलगीता                   | तथा<br>गंनंदी                                     |
| १२ खराडनखराडखाद्यम्                     | सुंबई<br>श्रीहर्षः                                |
| १३ खराडनखराडखाद्यं सटीकम्               | कलकत्ता<br>श्रीहर्षः टी. शङ्करमिश्रः<br>काशी १८८८ |
| १४ चित्सुखी                             | , चित्सुखाचार्थः                                  |
|                                         | काशी                                              |

१५ जीवन्मुक्तिविवेकः विद्यारएयः पूना १८ए० लोकाचार्यः भा नारायणः १६ तत्त्वत्रयं सभाष्यम् काशी १८६६ १७ तत्त्वदीपनम् अखगडानन्दः काशी १८५१ सुरेश्वराचार्यः १८ नैष्कर्म्यसिासिद्धः सटीका मुंबई 86 तथा तथा श्रानन्दवोधः चित्सुखमुनिः २० न्यायमकरन्दो व्याख्यायुतः काशी १६०१ विद्यारएयः टी. रामकृष्णः २१ पश्चदशी सटीका कलकता १८८२ २२ पश्चदशी भाषाटीकायुता विद्यारएयः टी पीताम्बरः मुंबई पद्मपादाचार्घ्यः २३ पश्चपादिका काशी १८६१ वि. प्रकाशात्मयतिः २४ पञ्चपादिकाविवरगाम् काशी १८६२ २५ पूर्णप्रज्ञदर्शनं सभाज्यम् व्यासः भा ज्ञानन्दतीर्थः कलकत्ता तथा तथा २७ ब्रह्मसूत्रं सभाष्यम् व्यास. भा. विज्ञानभिक्षः काशी १६०० भा. शङ्कराचार्यः २८ ब्रह्मसुत्रं शारीरकं,द्वितीयखग्डम् पूना १८९१ भा. जयतीर्घमुनिः २९ ब्रह्मसूत्रं भाष्यम् मुंबई ३० भगवद्गीता शङ्करानन्दीयुता मुंबई ३१ भगवद्गीता मधुसूदनायुता मुंबई २२ भगवदगीता भाष्यात्कर्षदीपिकायुता टी. धनपतिः

मुंबइ

| •                                   |                                             |
|-------------------------------------|---------------------------------------------|
| ३३ भगवद्गीता टीकाद्वययुता भाष्ययुता | चभा शङ्कराचार्थ्यः टी श्रीधरादिः<br>कलकत्ता |
| <u>.</u>                            | <u> </u>                                    |
| ३४ भगवद्गीता भाष्यद्वययुता          | व्यासः मा शङ्कररामानुजी-                    |
|                                     | टी. श्रीधरः मुंबई                           |
| an management                       |                                             |
| ३५ भगवद्गीता परभार्घप्रपायुता       | व्यासः भा. श्रानन्दिगारिः                   |
|                                     | ' मुंबई                                     |
| ३६ भगवद्गीता चिद्घनानन्दीयुता       | <b>मुं</b> वई                               |
|                                     |                                             |
| ३७ भगवदगीता टीकात्रयनवलभााष्ययु     | रुता लक्ष्मण                                |
| 7-3                                 | ं पुना १८८८                                 |
|                                     |                                             |
| ३८ भगवद्गाती भाष्यद्वययुता          | व्यासः भा. शङ्करा चार्यान-                  |
| •                                   | न्दागेरी पूना                               |
| ३९ भगवद्गीता भाष्यसहिता             | भा. रामानुजः                                |
| 11 wistum a mon                     |                                             |
|                                     | मुंबई                                       |
| ४० भगवद्गीता सभाष्या टीकात्रययुताः  | च भा शङ्कराचाय्यः टी श्रीधरादिः             |
|                                     |                                             |
|                                     |                                             |
| ४१ भगवद्गीता भाषायुता               | भीमसेनः ,                                   |
| ४२ भगवद्गीता भाषायुता               | इटावा <b></b>                               |
| ,                                   | _                                           |
| ४३ भगवद्गीता भाषायुता               | टी. महारएयः                                 |
|                                     | मुंवई                                       |
| OO MARTINE MARTINE                  |                                             |
| ४४ भगवद्गीता भाषाठीकायुता           | टी. त्रानन्दीगरिः                           |
| •                                   | लखनो १८७७ <sup>.</sup>                      |
| ४५ भगवद्गीता भाषाठीकायुता           | जानकीवाई                                    |
| 7                                   |                                             |
| ~                                   | कार्शा                                      |
| ४६ भामती                            | वाचस्पतिमिश्रः                              |
|                                     | कलकत्ता १८९१                                |
| ७ (व भागानी                         | , , , , , , , , , , , , , , , , , , , ,     |
| ४७ मामती                            | वाचस्पातामश्रः                              |
|                                     | काशी १८८०                                   |
| ४८ मध्यसिद्धान्तसारः                | पद्मनाभः                                    |
| when differ                         |                                             |
|                                     | मुंबई                                       |
| ४९ मारुतशक्तिः सटीका                | विष्ठलः टी. घनश्यामः                        |
|                                     | मुंबई                                       |
|                                     | विवर                                        |
| 1 *                                 |                                             |

| ~ ~        |                                         | न्या प्राचा                             |          |
|------------|-----------------------------------------|-----------------------------------------|----------|
|            | महावाक्यावेवेकः भाषायुतः                | माध्यानन्द: सुब                         | -        |
|            | यागवाशिष्ठं सटीकम्                      | वाल्मीकिः ् मुंबे                       | ξ.       |
| ५२         | लबुयोगवाशिष्ठं सटीकम्                   | सदानन्दः टी. ग्रात्मसुखः                |          |
|            |                                         | मुंबर्                                  | 2        |
| ५३         | विवरग्पप्रेमयसङ्ग्रहः                   | विद्यारययः                              |          |
| <b>٩</b> 8 | विवरगोपन्यासः सटीकः                     | काशी १८९३<br>रामानन्दः टी. ब्रह्मानन्दः |          |
|            |                                         | काशी १९०१                               | )        |
| ۹ ۷        | वित्रेकचूडामार्थाः                      | शङ्कराचाय्यः                            | ١        |
|            |                                         | कलकता १८७२                              |          |
| લ દ        | वेदान्तकल्पतरुः                         | श्रमलानन्दः                             |          |
| 17         |                                         | काशी १८९५                               | )        |
| 90         | वेदान्तकल्पतरुः                         | श्रमलानन्दः                             |          |
|            |                                         | काशी १८६५<br>त्रपय्यदीचितः              | •        |
| 26         | वेदान्तकल्पतरुपरिमलः                    | _                                       |          |
|            | <b>5</b>                                | काशी १८९ <sup>५</sup>                   | ,        |
| 910        | वेदान्तकल्पतरुपरिमलः                    | त्रपय्यदीचितः<br>सम्मिक्त               | <b>,</b> |
|            |                                         | काशी १८६६                               |          |
| र्द् ०     | वेदान्तिचन्तामिणः                       | गोवर्द्धनः                              |          |
|            |                                         | मुंब                                    | <b>3</b> |
| ξ γ        | वेदान्तपरिभाषा सटीका                    | धर्मराजाध्वरीन्द्रः टी.                 |          |
| •          |                                         | शिवदत्तः कारां                          | Ì        |
| <b>و</b> ي | वेदान्तरामायगं भाषायुतम्                | शिवसहायः                                |          |
| 9 1        | नदानारानानच नानादुवाद                   | म्यासारा वाचा<br>मुंब                   | 41       |
|            |                                         | _ •                                     | ર        |
| ६३         | वेदान्तसारः हस्तामलकः                   | यो. नृसिंहसरस्त्रती                     |          |
|            | सटीकः                                   | कलकत्ता १८७०                            | Ś        |
| દ્દ્ ષ્ટ   | वेदान्तसिद्धान्तमुक्तावली सर्व          |                                         |          |
|            |                                         | नानाटीच्तिः                             |          |
| દ્દ્ લ્    | वेदान्तसिद्धान्तमुक्तावली इङ्ग          | <b>लि प्रकाशानन्दः स्र हेनिससाह</b> व   | :        |
| •          | पानुवादमहिता                            | <u>কাহা</u>                             | Ī        |
| € €        | वेदानतिसद्धान्तादशंः                    | राममिश्रः                               |          |
| 11         | * ** *** ** * * * * * * * * * * * * * * |                                         | <u>.</u> |

काशी

६० वेदान्तसङ्गदः सटीकः सटिप्पनीकः

६ प्रेवेयासिकन्यायमाला (वेदान्ताधि-करणमाला)

६९ व्याससूत्रं भाषाभाष्ययुतम्

७० शंतश्लोकी सटीका

७१ शङ्करपेदभूषगाम् ७२ शारीरकभाष्यम्

७३ ज्ञाङ्करभाष्यं रत्नप्रभायुतम् ६-२ ७४ श्रीभाष्यम् १-२

र-**र** 

७९ श्रीमाप्यम्

७६ सनत्सुजातीयं सभाष्यम्

७७ सिद्धान्तविन्दुस्तोत्रं सटीकम् ७८ सिद्धान्तलेशः सटीकः

७९ तथा ८० सिद्धान्तलेशः सटीकः

८१ सिद्धित्रयम्
८२ स्नेहपूर्तिः पदार्थसङ्ग्रहः
८३ खानुभवसारः

रामानुजः टी. सुदर्शनः ठी.

रामिश्रः काशी

भारततीर्घः

पूना १८९१

व्यासः भा. ताराचन्द्रः

्रपूना १८≒३

शङ्कराचार्यःः टी त्रानन्द-

गिरिः मुंबई

राववाचार्यः

शङ्कराचार्यः

पूना १८६०

शङ्कराचार्यः टी.गोविन्दानन्दः

कलकत्ता १८६३

रामानुजाचार्यः

काशी १८८९

रामानुजाचार्य्यः .

काशी १८९१

व्यासः भा. शङ्कराचार्थ्यः

मुंबई

शङ्कराचार्य्यः टी. तारानायः

टी. ग्रप्यदीचितः

काशी १८९०

तथा

श्रप्यदीचितः टी. कृप्णानन्दतीर्थ

काशी १८६०

यामुनमुनिः रामाश्रेः

गोपीनाथ

**अजमरः** 

#### S(7)ms.—वेदान्तश्रेणिः हस्तविखिता

अन्य अन्थनामानि संख्या

श्रन्थकर्तृनाम सुद्रणस्थानं सुद्रणकालश्र

१ सिद्धान्तदर्पंण (सटीकम्)

#### S(8)—सांख्ययोगश्रेषिः

भन्यकर्तृनाम मुद्रणस्थानं प्रन्थ ग्रन्थनामानि संख्या मुद्रणकालश्र कापेलः भा नरेन्द्रः १ कपिलसूत्रं सभाष्यम् कलकत्ता २ गारत्त्वपद्धतिः भाषाटीकायुता गोरत्त्वनायः महीधरः मुंबई ३ घरराडसंहिता मुंबई १८६५ ४ पातअलदर्शनं सभाप्यम् पतञ्जालेः भा व्यासः कलकता १८७४ ५ पातञ्जलदर्शनं भाषाटीकायुतम् पतञ्जलिः टी. प्रभुदयालः मुंबई तथा तथा ७ पातअलयोगसूत्रं भोजवृत्तियुतम् पतञ्जलिः कलकता १८५३ पातञ्जालेः भा. व्यास टी. ८ पातञ्जलयोगर्दशनं सभाष्यम् वाचस्पतिमिश्रः कलकत्ता ९ यागदर्शनं सभाष्यं भाषाटीका-पतञ्जालः भा व्यासः टी. महावीरप्रसादः कलकत्ता युतम् १० योगवार्तिकम् विज्ञानभिभुः काशी ११ योगसूत्रं मणिप्रभायुतम् पतत्र्ञिलः टी. रामानन्दः काशी तथा तघा १३ योगियाज्ञवल्क्यसंहिता याज्ञवल्क्यः

१४ शिवसंहिता

काशी

१९ सांख्यकारिका समाप्या

१६ सांख्यकारिका चन्द्रिका भाष्ययुता

१७ सांख्यतस्वकोदी

१८ सांख्यदर्शनं सभाष्यम्

१६ सांख्यदर्शनं भाषाटीकाञ्चतम्

२० सांख्यादिवाकरः सटीकः

२१ सांख्यप्रवचनभाष्यम्

२२ सांख्यसारः

२३ सांख्यसूत्रवृत्तिः

२४ हृटयोगत्रदीपिका (ज्योत्स्नायुता स्वात्मारामः टी. ब्रह्मान्दः

नारायणतीर्थः भाः गोडपादः

काशो १८८३

· नारायगतीर्थः भा. गोडपादः टी. ईश्व(क्रुक्टप्णः

वाचस्पतिमिश्रः

वालकता

कापिल भा. विज्ञानभिञ्जू

कलकरा १८६३

कपिलः टी. चेत्रपालः

कलकता १८६१

किष्तः टी. केशवानन्दः

श्रहमदाबाद १८८६

भा. विज्ञानभिक्षः

कलकत्ता १८८८

विज्ञानभिक्षः

कलकत्ता १८६२

अनिरुद्ध:

कलकता १८८८

सुवइ

#### S(9)—न्यायवैशोषिकदशनश्रिष

श्रन्य श्रन्थनानानि संख्या

१ अनुमानचिन्तामणिः

1-5

२ अभावरहस्यम्

३ श्रात्मतत्वविवेकः

४ उपमानचिन्तामािः

९ कारिकावली

६ कारिकावलीमुक्तावली, दिनकरी, रामरुद्यः

७ कुसुमाञ्जलिः सटीकः श्रंश्रेजीयुता

कुसुंनाञ्जिलः सटीकः श्रंग्रेजीयुतः

९ केवलान्वयी शिरोमणियुतः

१० खंगडनपरिशिष्टम्

११ तर्ककोमुद्धी

१२ तर्कसंत्रहो दीपिकायुतः

१३ तर्कसंत्रहो दीपिकायुतः

१४ तर्नसंत्रहो दीपिकानोघिनी पंदक्त्यप्रतः

१९ तकीमृतं भाषाटीकायुतम्

यन्यकर्तृनाम मुद्रग्रस्थानं मुद्रग्रकालश्र

गङ्गेशोपाध्ययः

कलकत्ता १८७२

उद्धवासिंहः

काशी

उदयनाचार्यः

कलकता

गङ्गेशोपाध्यायः

कलकता १८७२

विश्वनाथः

१८७८

विश्वनायः टी. दिनकरः टी. रामरुदः काशी १८८४ उदयानाचार्यः टी. हरिदत्तः

भागाना हार हार दर्याः

उदयनाचार्यः टी. हरिदत्तः

कलकत्ता १८९०

गङ्गेशोपाध्यायः

कलकत्ता १८९७

ताराचरणः

काशी

लोगाचिभास्करः

मुंबई १८६०

ग्रत्नंभट्टः कललत्ता १८७२

अवंभट्टः

मुंबई १८=३

अनंभद्दः टी. गोर्द्धनः टी.

चन्द्रजासिंहः मुंबई १८८८

ह्रपंकिशः

कलकता

१६ तत्त्वचिन्तामिः गङ्गेशापाध्यायः कलकता १८८४-६३ तथा १ ७ तथा कलकत्ता १८८८-९४ १८ तत्त्वावली चन्द्रकान्तः कलकत्ता १६ दिनकरीरामरुदी संवलिता दिनकरः टी. रामरुद्रः काशी भट्टभीमाचार्यः २० न्यायकोशः मुंबई १८९३ २१ न्यायकोशः गौतमः भा. वात्स्यायनः २२ न्यायदर्शनं सभाष्यम् कलकत्ता १८६५ २३ न्यायदर्शनं सभाष्यं भाषाटीकायुतम् गौतमः भा बात्स्यायनः ्टी.प्रभुदयालः मुंबई १८९३ २४ न्यायसूत्रम् वृत्तियुतं भाषाटीकायुतश्च गौतमः वृविधनाघः टी. सुख-दयालः लाहोर १८८३ चिद्घनानन्दः २९ न्यायप्रकाशः (भाषायुतः) मुंबई . धर्मोत्तराचायः २६ न्यायावेन्द्रटीका कलकात्त १८८९ भा. वात्स्यायनः २७ न्यायभाष्यम् काशी तथा तथा २९ न्यायमंजरी जयन्तभट्टः काशी १८६५ ३० न्यायमंजरी जयन्तभट्टः काशी १८६६ ३१ न्यायाविचारः महेशन्यायरत्नः

कलकता

## $\mathrm{S}(9)$ —न्यायवैशेषिदर्शनश्रेणिः

वाचस्पतिमिश्रः ३२ न्यायगार्तिकतात्पर्यटीका कलकत्त जानकीनाथः ३३ न्यायसिद्धान्तव्जरी कलकत्ता<sup>'</sup> गङ्गेशोपाध्यायः टी. मथुरानाथः ३४ पत्तता टीकायुता कलकत्ता १८९७ विश्वनाद्यः ३५ भाषापरिच्छेदः कलकत्ता १८७२ गदाघरभद्दाचार्य्यः ३६ मुक्तिवादः काशी गिरधरभट्टाचार्यः ३७ विभक्त्यर्थनिर्णयः गिरधरभट्टाचार्यः ३८ विभक्स्यर्थनिर्णयः कर्शी १६०१ गदाधरभद्याचायः ३९ विधिलक्षपम् कलकर्ता १८८८ कणादः उ. राङ्करः ४० वैशेषिकदर्शनं सोपरकारम् कणादः भा. प्रशस्तपादः ४१ वैशेषिकदर्शनं सभाष्यं टि. कृष्णशास्त्री टिप्पनकम् मुंबई तथा तथा ंष्ठ २ तथा तथा ५४३ तथा तथा 88 टी. देवदत्तः ४५ वैशेषिकदर्शनं भाषायुतम् मुरादावाद १८६८ प्रभुदयालः ४६ वरेषिकदर्शनं भावानुवाद मुंबई १५६३ भाषाभाष्यसाहतम् ४७ वेशीनकदर्शनं सभाष्यम् सटीकम् कणादः मा. प्ररास्तपादः काशी १८७५ यडुनायः गदाधरभद्याचार्यः ४८ व्युत्पत्तिवादः काशी गदावरः टी. विश्वनाघः ४९ शक्तिवादष्टीकायुतः काशी १८८६ ६६

५० शक्तिवादो मंजूपायुतः

गदाधरमहाचार्यः

काशी ः

५१ शब्दशक्तिप्रकाशिका

जगदीशभद्दाचार्य्यः

कलकत्ता १८८५

५२ सप्तपदार्थी

शिवादित्यः

काशी १८९३

ध् २ सामान्यिनरुक्तिः शिरोमणिसंवालिता- गङ्गशोपाध्यायः टी. रचुनायः सटीका टी. गदाधरः कलकत्ता १८६७

#### S(9)ms.—न्यायेवेशेषिकदर्शनश्राणिः इस्तलिखिता

अन्य अन्थनामानि संख्या त्रन्थकर्तृनाम मुद्रग्रस्थानं मुद्रग्रकालश्च

१ द्रव्यसंत्रहः (भाषायुतः)

नेमिचन्द्रः

२ प्रत्यत्त्विन्तामणिः

गङ्गेशोषाध्यायः

३ भावानन्दानूर्वार्द्धम्

भवानन्दः

४ मङ्गलवादमाथुरी

मथुरानाथः

५ मुक्तावलीप्रकाशः

दिनकरभट्टः

## S(10)—मींमांसादिश्रेणिः

|                                     | _                          |
|-------------------------------------|----------------------------|
| <b>अन्य</b> अन्यनामानि              | अन्यकर्तृनाम सुद्रगात्यानं |
| संख्या                              | सुद्रणकालश्र               |
| १ अर्थसंत्रहः                       | लोगाचिः                    |
| ,                                   | काशी १८८२                  |
| २ तथा                               | तथा ं                      |
| ३ जैमनीयन्यायमाला तृतीयाध्यायान्ता  | माधवाचार्यः                |
| <u>-</u>                            | लगडन १८६५.                 |
| ४ जैमिनीयन्यायमाला                  | माधवाचार्यः                |
| ,                                   | कलकत्ता १८८३               |
| ५ जेमिनीयन्यायमाला                  | माधवाचार्यः पूना           |
| ६् तन्त्रवार्तिकम्                  | कुमारिलमट्टः               |
|                                     | काशी १८८२                  |
| ७ तथा                               | तथा                        |
| प्त न्यायरत्नमाला                   | पार्यसाराधामिश्रः          |
|                                     | काशी १६००                  |
| ९ न्यायप्रकाशः                      | <b>भ्रा</b> पदेवः          |
| ,                                   | काशी                       |
| १० भाइचिन्तामियाः                   | गागाभट्टः                  |
|                                     | काशी १९००                  |
| ११ भक्तिमीमांसा शाग्रिडल्यमृत्रयुता | भा स्वप्रेश्वरः            |
|                                     | मुंबई                      |
| १२ तथा                              | तथा                        |
| १३ तथा                              | तथा                        |
| १४ भक्तिसूत्रवेनयन्ती               | स्वमेश्वरः कलकत्ता         |
| १९ भक्तिसूत्रम्                     | नारदमुनिः                  |
| १६ भाइमापाप्रकाशः                   | नारायगतीर्थः               |
|                                     | नाशी १५००                  |
| •                                   | 311/1/1                    |

# S(10)—मींमांसादिश्रेणिः

जैमिनिः भा. शवरस्वामी १७ मीमांसादशनं सभाष्यम् कृलकत्ता १८७**३** श्रीकृष्णयज्वा १८ मीमांसापरिभाषा कलकत्ता १⊏७६ लोगा चिभास्करः १९ मीमांसार्थसंत्रहः काशी २० मींमांसारलोक गार्तिकं सटीकन कुमारिलमटः काशो १८८५ ग्रप्यय्यदात्तितः २१ विधिरसायनम् काशी १८०१ जैमिन्यादयः २२ षड्ददर्शनम् लाहार

माधवाचार्यः

कलकता १८७५

२३ सर्वदर्शनसंग्रहः

# S(11)—ज्योतिषश्रेणिः

| त्रन्य अन्यनामानि           | <b>अन्यकर्तृ</b> नाम सुद्रणस्थान |
|-----------------------------|----------------------------------|
| संख्या                      | मुद्रग्यसालश्र                   |
| १ अर्वत्रकारो। भाषाटीकायुतः | रिवदत्तः                         |
| 1                           | मुम्बई १८९३                      |
| २ उदाहरणसारिणी              | महादेवः                          |
|                             | मुंबई                            |
| ३ करण्कृत्हलम्              | भारकराचार्यः                     |
| 13.86 7                     | मुंबई १८८१                       |
| ४ करणप्रकाशः सटीकः          | न्रह्मदेवः टी. सुधाकरः           |
| 11/2 (11/4) (1-1/11)        | काशी १८८९                        |
| ९ कुगडलीकल्पतरुः            | यज्ञेश्वरः गुंबई                 |
| ६ के शवीनकाशः सोदाहरणः      | केशवः ग्रीरङ्गाबाद               |
| ७ केतकी अहरण गणितम्         | वेङ्कटेशः पृना                   |
| ८ गणकतरा जिल्ला             | सुधाकरः काशी                     |
| ९ गर्गमनोरमा सटीका          | गर्गन्तिः                        |
| र ननमारमा स्टामत            | प्राप्ताः<br>काशी                |
| १० ग्रहलाघवम्               | विश्वनायः                        |
| 1 - 1641417                 | । वर्षणायाः<br>काशी              |
| ११ गोलप्रकाशः               | नीलाम्बरः                        |
| ११ भावनपाराः                | याला चर्                         |
| १२ चलराशिकलनम्              | सुधाकरद्विवेदी                   |
| १ ८ वर्णसम्बनम्             | . प्रयागः १८८५<br>. प्रयागः १८८५ |
| १२ छादसनिर्णयः              | रुप्णदेवज्ञः<br>इप्णदेवज्ञः      |
| ११ व्यायमाण्यः              | . काशी                           |
| १४ तथा                      | ं तथा                            |
| ९५ जातकपद्धतिः              | तया<br>केशवदेवः                  |
| १ ४ जातवात्रस्रातः          | काशावदवः<br>काशी १८⊏२            |
|                             | कारा १८५१                        |

| D(127                                 |                      |              |
|---------------------------------------|----------------------|--------------|
| १६ जातकतत्त्रम्                       | विष्युसहायः<br>काशी  | १.८७ए        |
| १७ जातकपारिजातः                       | वैद्यनाथः            | काशी         |
| १ = जैमिनिसूत्रं. संटीकम्             | जैमिनिः टी. नीलकरा   | उः<br>मुंबई  |
| ्रह • तथा                             | तथा                  | ,<br>काशी    |
| २० ज्योतिर्निवन्धः (                  | शिवराजः              |              |
| २'१' ज्योतिमहानित्रन्यः               | महेशः त्रा. महाराजरर | ग्वीरासहः    |
| २२ तथा                                | तथा                  | <del></del>  |
| २३ ज्योतिर्त्रिदाभरणम्                | कालीदासः             | काशी         |
| २४ ज्योतिर्गारीतम्                    | वेङ्करेशः            | पूना         |
| २९ ज्योतियकेदारः प्राकृतभावासिहतः     | कुपाशङ्करः टी. मा    | वलालः        |
| २५ ज्यातिपवादारः भारताताताः           | शुकदेवः टी. वृन्द    | विन:         |
| २६ ज्योतियसारी भाषाटीकागुतः           | •                    | श्रागरा      |
|                                       | केशवः                | काशी         |
| २७ जातिककेशवी                         | नीकलगढः              |              |
| २८ ताजिकनीलकगठी                       |                      | काशी         |
| २९ दीर्घवृतलत्त्रणम्                  | सुधाकरः              | काशी<br>काशी |
|                                       | तथा -                |              |
| ३० तया                                | सरदत्तः<br>सरदत्तः   | काशी         |
| ३१ देवज्ञवान्धवः                      | नरपतिः<br>नरपतिः     |              |
| ३२ नरपतिजयचर्या "                     | गरमापर               | काशी         |
| ३३ नारदसंहिता                         | . नारदः              | ^-           |
| for account                           | •                    | कारी         |
| ३.४. घरमसिद्धान्तः                    | भेंमवञ्चभः           | मुंबई        |
| ३.५. पश्चसिद्धान्तिका श्रेप्रेजी गुता | वराहमिहिरः ं         | <br>काशी     |
| ३.६. चीजगियतम्                        | भारकराचार्यः         |              |
|                                       |                      |              |

गोद्गलचन्दः कलकता १८७८ ३७ पञ्चाङ्गकलपवली वराहमिाहैरः ३८ वृहज्जातकम् ३९ वृहज्ज्योतिपार्णवे। मिश्ररकन्यः हरिकृष्णः मुंबई श्रीवरः ४० वृहत्पराश्चरहारा सटीका मुंबई तथा 88 तथा , वराहामाहरः वि. यटोत्पलः ४२ वृहत्संहिता विवृति पुता काशी १८६५ वराहमिहिरः ४३ वृहत्संहिता कलकता १८६५ वराहीमहिरः टी. दुर्गात्रसादः ४४ वृहत्तंहिता भाषाटाकायुता लखनी १८८४ ४५ वृह्यमुह्तसिंधुः देवकीनन्दनः मुंबई १८८५ .४६ तथा तथा ४७ भावप्रकाशः जीवनाघः काशी ४८ भास्वती सोदाहरगा सटीका शतानन्दः टी. माधवमिश्रः काशी मेरठ ४६ भगुसंहिता भृगुः ५० भृगुसूत्रम् भृगुः । पूना १८७६ समर्रासहः टी. श्रीधरः ५१ मरुष्यनातकं सटीकन् काशी ५२ माहादेव सारणी मुंबेई महादेवः ५३ मह्तोचन्तामाणिः सटीकः लक्ष्मणः अनन्तदेवज्ञः मुंबई ५४ मह्ताचिन्तामणिः पीयूपवारागुतः श्रवन्तदेवज्ञः टी. गोविन्दरामः मुंबइ -५५ मुहर्तदीपिका महादेव:

काशी 🦪

५६ मुहूर्तप्रदीपः लक्ष्मगाः काशीं .देवकीनन्दनः ५७ मुहर्तासन्धः मुंबई मुंबई **े यवनाचांर्यः** ५८ यवनजात्कम् काशी श्रीपातेभट्टः ५९ रत्नमाला मुंबई रङ्गलालः ६० रमलरत्नम् वराहामीहिरः टी. भट्टोत्पलः ६१ लघुजातकं सटीकम् मुंबई भ<del>ास्</del>कराचार्यः ६२ लीलावती भास्कराचार्यः टी. दुर्गाप्रसादः ६्३ लीलावती सटीका लखना १८९१ जीवनाथः ६४ वनमाला माशी वशिष्टः ६् ९ वशिष्ठसिद्धान्तः केशवार्कः टी. गरोशः ६६ विवाहवृन्दावनं सटीकम् काशी केशवार्कः टी. गरोराः ह् ७ विवाहवृन्दावनम् काशी लङ्घाचार्यः ६८ शिष्यधीवृद्धिदो लछिसिद्धान्तः काशी १८६७ काशीनाथः ६९ शीव्रबोधः लखनौ १८७४ पुअराजः ७० शम्भुहोराप्रकाराः काशी श्रीपतिः टी. कुप्ग्दैवज्ञः ७१ श्रीपातिजातकं सटीकम् काशी काशी रामचन्द्रः ७२ समरसारः सटीकः तथा तथा मुंबई ७४ सर्वार्घचिन्तामणिः गङ्गारामः ७५ सहस्ररतद्योतः काशी मुंबई ७६ सामुद्धिकं माषाटीकायुतम

८५ होरारत्नम्

## S(11)—ज्यौतिषश्लेणिः

७७ सिद्धान्ततत्त्वविवेकः कमलाकरः काशी १८८० ७८ सिद्धान्तशिरोमणेर्गोलाध्यायगणिता- भास्कराचार्यः, ध्यायो वासनाभाष्यसहितौ काशी १८६६ ७६ सूर्यासिद्धान्तः सटीकः सूर्यः टी. रङ्गनायः काशी ८० सूर्यसिद्धान्तः भास्करः काशी ८१ सूर्यसिद्धान्तसमीचा दुर्गाप्रसादः मुंबई ' ८२ सङ्केतानिधिः सटीकः रामदयालः मुंबई **⋤**३ तया तथा ८४ सङ्गहाशिरोमणिः सरयूत्रसादः लखनौ

वलभद्ः

काशी

## S(11)ms — ज्योतिषश्रिणिः हस्तिलाखिता

बन्धकर्तृनाम मुद्रग्रस्थानं ग्रन्थ ग्रन्थनामानि मुद्रणकालश्र संख्या वळालसनदेवः १ अद्भुतसंग्रहः सं. १६११। नराप्तेंहः . ३ गोलीयरेखागागीतं सटीकम् सं. १६३५ ४ चमत्कारचिन्तामाि । ५ ज्योतिषसारः ६ ताजिकसुधानिधिः नारायणः सं. १६१४ भास्कराचार्यः विश्वरूपः ७ मरीचिः ₹-₹ ८ मछारिः (ग्रहलाघवटीका) मङ्खारः महाराजजयासिंहः ९ यन्त्रराजरचना १० वसन्तराजः शिवचन्द्रः ११ विवाहकालिमिर्णयः १२ पट्पञ्चाशिका **ए**थुयशाः १३ सम्राट्सिखान्तः जगन्नाथः ₹-२ तथा तथा 🤚 १५ होराकोस्तुभः सं. १६१३

# S(12)—ग्रायुर्वेदश्रोणिः

|            | न्य य्रन्थनामानि<br>त्या                        | झन्थकर्तृनाम मुद्ग्णस्य<br>मुद्गणकालश्च           | ानं        |
|------------|-------------------------------------------------|---------------------------------------------------|------------|
| ?          | <b>अर्शो</b> घसुधाकरः                           | रङ्गपरिडतः<br>ःमुंबई १८८                          | <b>/</b>   |
| त्र        | <u> अथ्वैद्यकम्</u>                             | जयदत्तः ,<br>कलकत्ता १८५                          |            |
|            | अश्वेद्यकम्                                     | जयदत्तः कलकता १८                                  | ८७         |
|            | अष्टासङ्गङ्गहः<br>अष्टाङ्गहृदयसंहिता (भाषायुता) | •                                                 | वई         |
| Ę          | <u> </u>                                        | ंमुं<br>विनोदीलालः कलक                            | वर्ड<br>ता |
|            | कालज्ञानं भाषाटीकायुतम्                         | दत्तरामश्रतुर्वेदी ः मुं                          | वई         |
|            | चक्रदत्तः                                       | चक्रपाणिः कलक                                     | त्ता       |
| 3          | चरकसंहिता                                       | चरकाग्निवेशी -<br>कलकत्ता १८५                     | <b>૭</b> ૭ |
| १०         | चरकसंहिता                                       | चरकाग्निवेशो                                      |            |
|            | चरकसंदिता ( भाषाटीकायुता )                      | कलकत्ता १८९<br>चरकाग्निवेशो टी. छप्ण<br>मुंबई १८९ | लालः<br>१८ |
| 8-8<br>8-8 | चरकसंहित सटीका ( सूत्रस्थानम्)                  | चरकाश्निवेशोःटी चक्रपा<br>कलक                     |            |
| १३         | चिकित्साक्रमकल्पवछी                             | काशीनाघः ्रं                                      | विई        |
| 88         | तथा                                             | तथा                                               | -,         |
| १५         | तथा                                             | तथा                                               |            |
| १६         | द्रव्यगुगः सटीकः                                | चक्रपाणिः टी. शिवदासरे                            | निः        |
|            |                                                 | कलक                                               | त्ता,      |

१७ नपुंसकसंजीवनं हिन्दीयुतम् दत्तरामः मुंबई १८ नाडीविज्ञानतः ङ्गिणी श्रारुपानरतङ्गणी रघुनायः मुद्दे १८६७ द्वारकानायः १६ नाडीविज्ञानम् कलक ता १८८६ कावरील २० निदानदीपिका गरोशभारकरादयः २१ निघगदुरत्नाकरः मुंबई . २२ वृहानिवग्दुरत्नाकरःभाषाटीकायुतः दत्तरामःटी शालिय्रामः मुंबई . तथा तथा २३ दत्तरामः २४ वृहान्निघगटुरत्नाकरः सटीकः मुंबई भावमिश्रः २५ भावप्रकाशः कलकता १८७५ भावमिश्रः टी. दत्तरामः 🐇 २६ भावप्रकाशः (हिन्दीयुतः) विनोदीला्लः २७ भैवज्यरत्नावली कलक हा माधवाचायः टी. २८ माधवानिदानं सटीक व् कलकत्ता १८६६ माधवाचार्यःटी.रघुनाघप्रसादः २६ माघवानिदानम् (हिन्दी उतम्) मुंबई १८८४ त्रिगछभटः ३० योगतरङ्गिणी मुंबई तथा पूना १८८५ 38 ३२ योगरत्नाकरः शालिनाथः ३३ रसमअरी मुंबई वाग्भट्टः ३४ रसरत्नसमुचयः पूना १८९०

५३ हारीतमंहिता

५४ धनुर्वेदसाहता भाषायुता

३५ रसराजसुन्दरः दत्रामः मथुरा १८८८ ३६ रसेन्द्रसारसंग्रहः (संदर्भसाहितः), गीपाल्भद्यः सं. हृदयनायः कलकता १८८५ ३७ रसेन्द्रिचन्तांनार्या-रसरत्नाकरो ् रामचन्द्रितत्यानन्दी कलंकता १८८८ ३८ राजनिवग्टुसाहितो धर्दन्तरिनिवग्टुः पूना ३९ राजनिवरादुः काशी ४० वङ्गसेनः वङ्गर्भनः कलक ा ४१वाग्भट्टः वाग्भट्टः ₹-₹ मुंबई १८८० वारसिंह: ४२ वीरसिंहावलाकनम् मुंबई १८८२ वृन्दः टी. श्रीकग्ठः ४३ वृत्दमावदासिद्धयोगः सटी तः पूना १८९४ लालिम्बराजः टी. सुखानन्दः ४४ वेद्यजीवनं भाषाटीकायुतम् ४५ भैद्यदर्श्यम प्राणनाथः, ४६ वैद्याहत्यं भाषाटीकायुतम् विद्यापंतिः टी. दत्तरामः सुनई १८८६ ४७ शार्ङ्गघरसंहिता शाङ्गधरः कलकता १८७४ ४८ सुश्रुतसंहिता सुश्रुतः कलकत्ता १८७३ ४९ तथा तथा ५० सुश्रुतसंहिताव्याख्या **ड**छनमिश्रः कलकता १८८९ सुश्रुतः टी. श्रीकृष्ण तालः ५१ सुश्रुतसंहिता भाषायुता मुंबई १८९६ ५२ हस्त्यायुर्वेदः पालकाप्यः पूना १८७४

श्रात्रेयः कलकता

प्यारंतालः दङ्गेदा १८६७

## S(12)ms — त्रायुर्वेदश्रीणः हस्तालाखिता

श्रन्य श्रन्थनामानि संख्या अन्यकर्तृनाम सुद्रणस्थान सुद्रणकालश्च

१ त्रातङ्गीतिमरकोमुदी

चैनरामः

सं. वि. १७९८

२ ऋायुर्वेदमकाशरसखएडः

माधवः

३ योगदीपिका

विष्णुदेवः

वि. सं. १८४४

५ राजनिवराटुः

४ रसराजः

नरहारः

सं. वि. १८३६

६ वद्यजीवनम्

लोलिम्बराज:

७ वैद्ययोगमाला

# S(13)—मन्त्रशास्त्रस्तोत्रकथाादिश्लेणिः

| ञ्रन्य अन्यनामानि<br>संख्या                                                                                                                                             | झन्यकर्तृनाम<br>सुद्रग्पक                                                                    | _                                                       |
|-------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|----------------------------------------------------------------------------------------------|---------------------------------------------------------|
| १ अनन्तचतुर्दशीकषा गृजा                                                                                                                                                 | व्यासः                                                                                       | काशी                                                    |
| २ अनन्तचतुर्दशीकयापूजा सटीका                                                                                                                                            | <b>व्या</b> सः                                                                               |                                                         |
| ३ इन्द्रजालविद्यासंग्रहः                                                                                                                                                | जीवानन्दः                                                                                    | काशी                                                    |
| 1 4 2 11 11 14 11 11 11                                                                                                                                                 |                                                                                              | ता १.८६ <b>१</b>                                        |
| ४ ऋपिपञ्चमीकया                                                                                                                                                          | व्यासः                                                                                       |                                                         |
| (भावप्योत्तरस्या )                                                                                                                                                      |                                                                                              | मुंवई                                                   |
| ५ कपूरादिस्तवः सटीकः                                                                                                                                                    | कृष्णनाथः                                                                                    |                                                         |
|                                                                                                                                                                         |                                                                                              | कंलकत्ता '                                              |
| ६ कालीपुञ्चाङ्गम्                                                                                                                                                       | गिरिप्रसादः                                                                                  |                                                         |
| ७ कुलार्णवतन्त्रम्                                                                                                                                                      | कुलपातः                                                                                      | ,                                                       |
| •                                                                                                                                                                       | 71 - 4 - 1                                                                                   | TE O JOHN                                               |
|                                                                                                                                                                         | न न न न न न न न न न न न न न न न न न न                                                        | •                                                       |
| ८ गोपालसहस्त्रनामस्तोत्रम्                                                                                                                                              | ં નાળવા                                                                                      | ता १८९७<br>दिल्ली                                       |
| ८ गोपालसहस्त्रनामस्तोत्रम्<br>९ गोपालस्तोत्रम्                                                                                                                          | <br>हरिशम्भी                                                                                 | दिछी                                                    |
|                                                                                                                                                                         |                                                                                              | •                                                       |
| ९ गोपालस्तोत्रम्                                                                                                                                                        | हरिशम्भी                                                                                     | दिछी                                                    |
| ९ गोपालस्तोत्रम्<br>१० <sub>.</sub> तन्त्रसारः                                                                                                                          | हरिशम्भी<br>कृष्णानन्दः<br>नागभद्रः                                                          | दिछी                                                    |
| ९ गोपालस्तोत्रम्<br>१० तन्त्रसारः<br>११ त्रिपुरासोरसमुच्चयः                                                                                                             | हरिशम्भी<br>कृष्णानन्दः<br>नागभद्रः                                                          | ंदिछी<br>काशी<br>ता १८९७<br>:                           |
| ९ गोपालस्तोत्रम्<br>१० <sub>.</sub> तन्त्रसारः                                                                                                                          | हरिशम्भी<br>रुष्णानन्दः<br>नागभट्टः<br>कलकर                                                  | ंदिछी<br>काशी<br>ता १८९७                                |
| ९ गोपालस्तोत्रम्<br>१० तन्त्रसारः<br>११ त्रिपुरासोरसमुच्चयः<br>१२ दुर्गासप्तराती टीकायुता                                                                               | हरिशम्भी<br>रुष्णानन्दः<br>नागभट्टः<br>कलकर                                                  | ं दिछी<br>काशी<br>ता १८९७<br>:<br>मुंबई<br>मुंबई        |
| ९ गोपालस्तोत्रम्<br>१० तन्त्रसारः<br>११ तियुरासोरसमुच्चयः<br>१२ दुर्गासप्तराती टीकायुता<br>१३ दुर्गासप्तराती शान्तनवीयुता                                               | हरिशम्भी<br>रूप्णानन्दः<br>नागभद्यः<br>कलकत्<br>टी. हरिरूप्णादि                              | ंदिछी<br>काशी<br>ता १८९७<br>:<br>मुंबई                  |
| ९ गोपालस्तोत्रम्<br>१० तन्त्रसारः<br>११ त्रिपुरासोरसमुच्चयः<br>१२ दुर्गासप्तराती टीकायुता                                                                               | हरिशम्भी<br>रूप्णानन्दः<br>नागभद्रः<br>कलकर<br>टी. हरिरूप्णादि                               | ं दिछी<br>काशी<br>ता १८९७<br>:<br>मुंबई<br>मुंबई        |
| ९ गोपालस्तोत्रम्<br>१० तन्त्रसारः<br>११ तिपुरासोरसमुच्चयः<br>१२ दुर्गासप्तराती टीकायुता<br>१३ दुर्गासप्तराती शान्तनवीयुता<br>१४ दुर्गासप्तराती सटीका<br>१९ पृतनाविधानम् | हिरशम्भी<br>रूप्णानन्दः<br>नागभद्रः<br>कलकत्<br>टी. हिररूप्णादि<br>टी. शंतनुः<br>टी. नागशः   | दिछी<br>काशी<br>ता १८९७<br>:<br>मुंबई<br>मुंबई<br>मुंबई |
| ९ गोपालस्तोत्रम्<br>१० तन्त्रसारः<br>११ त्रिपुरासोरसमुच्चयः<br>१२ दुर्गासप्तराती टीकायुता<br>१३ दुर्गासप्तराती शान्तनवीयुता<br>१४ दुर्गासप्तराती सटीका                  | हिरशम्भी<br>स्टप्णानन्दः<br>नागभद्यः<br>कलकत्<br>टी. हरिस्टप्णादि<br>टी. शंतनुः<br>टी. नागशः | दिछी<br>काशी<br>ता १८९७<br>:<br>मुंबई<br>मुंबई<br>काशो  |

लाडलीचन्द्रः

मुंबई 🕝

काशी

१८ ब्रह्मस्तवः गिरिप्रसादः १९ भैरवपञ्चाङ्गम् शिवःटी. हारेहरानन्दभारती २० महानिर्वाणतन्त्रं सटीकम् कलकत्ता १८८४ महीधरः २१ मन्त्रमहोदिधः सटीकः काशी कुलपतिः २२ योगिनीतन्त्रम् कलकत्ता १८९७ कलकत्ता १⊏८२ २३ रुद्यामलम् कलकत्ता लाडलीचन्दः २४ लाडलीचन्द्रम् मुंबई २५ विष्टलपञ्चरत्नम् (पद्मान्तर्गतम्) देवनन्दराजः

२७ तथा तथा २८ शारदातिलकं सटीकम् नित्यानन्दः

२६ शाक्तप्रमोदः

२९ सोमवत्यमापूजीनियः शङ्कराचार्यः ३० सोन्दर्यलहरी शङ्कराचार्यः ३१ स्वर्णाकर्षण मेरवविधिः

" काशी

## 8(13)ms.—मन्त्रशास्त्रस्तोत्रकथादिश्रेणिः

#### **हस्ता**लाखिता

त्रन्थ त्रन्थनामानि संख्या १ गायत्रीपुरश्चरणविधिः

२ भैरवपद्मावतीकल्पः ३ यन्त्रचिन्तामिणः ४ सौन्दर्यलहरी सटीका त्रन्यकर्तृनाम मुद्रगस्थान मुद्रग्यकालश्र काशीनाथः सं. वि. १८७७ मर्छोपेगसूरिःःसं. वि. १८६० शंङ्कराचार्यः टी. रङ्गदासः

शङ्कराचार्यः टी. रङ्गदासः सं. वि. १६१७

# S(14)—संकीर्णजैनवोद्धादिश्रेणिः

| ग्रन्य ग्रन्थनामानि<br>संख्या                                                                                       | त्रन्थकर्तृनाम मु<br>मुद्रणकाल        |                                |
|---------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|---------------------------------------|--------------------------------|
| १ त्र्रष्टसाहस्त्रिका प्रज्ञापारमिता                                                                                | राजेलालमुद्धिता<br>कलकत्ता            | १८८७                           |
| २ अष्टसाहस्त्रिका प्रज्ञापारिमता                                                                                    | राजेलालमुदिता<br>कलकत्ना              | १८८८                           |
| ३ त्रार्यविद्यासुधाकरः<br>४ उवासयसाच्चा सटीकः                                                                       | यज्ञेश्वरभद्दः मुंबई<br>टी. ग्रमयदेवः | १८८६<br>१८८५                   |
| ५ काशीविद्यासुघानिधिः  १-३३ ६ काश्मीरग्रन्यसूची ७ जातकमाला ८ जेनरामायणम्                                            | ष्टाईनसाहवः सुंव                      | ई १८९४<br>ई १८८१<br>कलकत्ता    |
| ९ जैनस्तोत्रसंत्रहः<br>१० देशीयनाममाला                                                                              | हेमचन्द्रः                            | मुंबई<br>मुंबई                 |
| ११ पूर्णप्रज्ञदर्शनय्रन्यसंय्रहः १२ प्रज्ञापारमिता भाषाटीकायुता १३ प्रवन्धचिन्तामिणः १४ प्रयमपरीचासंय्रहः १५ वाइविल | मेरुतुङ्गाचार्यः                      | मुंबई<br>मुंबई<br>काशी<br>काशी |
| १६ विचित्रचिन्तामिः                                                                                                 | जगन्ना <b>घदा</b> सः                  | जयपुर                          |
| १७ मङ्गलस्तोत्रं श्लोकपद्धीतनवतत्त्वम्                                                                              | रताकरः                                |                                |
|                                                                                                                     | कारगडव्यृहः                           |                                |

१८ महायानसूत्रम्

कारग्डव्यूहः

कलकृता १८७३

२८ स्याद्वादमञ्जरी

१६ रूडमलपञ्चाङ्गम् सं. १६५२ कलकत्ता २० ललितविस्तरः कलकता १८७७ २१ विपाकसूत्रं सटीकम् गदार्थर सुधर्मा टी. ऋभयदेवः कलकत्ता २२ विश्वकर्मप्रकाशः विश्वकर्मा काशी २३ श्रीउव्वाईसूत्रं सटीकम् गदाधर सुधर्मा टी. श्रभयदेवः नलनता २४ समवायाङ्गसूत्रं सटीकम् टी. श्रभयदेवः गदाधरः काशी २९ सर्वशास्त्रमूची (काशीकलकत्तादि रामगेगविन्दमुद्रिता पुस्तकालयसूची नलनता २६ संस्कृतसूची (लिखिपुस्तकानाम) श्राफरेच त्राकसनी १८६४ २७ स्थाविरवालचारित्रम् हेमचन्द्रः कलकत्ता

मछिषेगाः-हेमचन्दः

काशी १ए००

## S(14)ms.—संकोर्णजैनवोद्धादिश्रेणिः हस्तीलखिता

## अन्य अन्यनामानि संख्या

## त्रन्थकर्तृनाम मुद्रणस्थान मुद्रणकालश्र

- १ ऋजितस्तवनम्
- २ उपासकदशाङ्गवृत्तिः
- ३ एकादशीफलम्
- ४ जीवाभिगमसूत्रम्
- ५ तस्त्राधित्त्रम्
- ६ नवतस्वम्
- ७ पागडवचरित्रम्
- ८ भक्तामरस्तोत्रम्
- ६ तथा
- १० लोकनालः
- ११ विवाहपद्वातिः
- १२ संघनणिस्तात्रम्
- १३ सप्तातिका टीका
- १४ समाधितन्त्रम्
- १९ सुभाषितार्णवः
- १६ ज्ञानार्खवः

## श्रभयदेवाचार्यः

उमास्वामी दुलिचन्दः देवावेजयगणी सं.वि.१६६९ मानतुङ्गाचायीदिः तथा

> सं. वि. १९३३ सं वि. १७७७

मलयगिरिः पादपूज्यः दुलिचन्दोभाषाकारः

#### T--भाषाश्चिणः

ग्रन्थकर्तृनाम मुद्रगस्थानं अन्य अन्थनामानि मुद्रण्कालश्च संख्या ग्रजमेर रामचन्द्र ' १ श्रम्रवालोत्पत्तिः काशीनाथ प्रयाग १८९० २ अठारहरानीयोंका चरित्र मोहनलाल मुंबई १८९० ३ अर्घप्रकाशिका जीवरामजाट प्यारेलाल ४ अद्भुतमृष्टिचरित्र लखनौ १८८६ ५ ऋध्यात्मरामायणविचार यमुनाशङ्कर लखनौ १८८५ चन्दराम लखनो १८८५ ६ अनेकार्यमञ्जरी ग्रजींजुदीवादि काशी ७ ग्रमलवृत्तान्तमाला प्यारेलाल कालीचरण **८** ग्रमीरहमना लखनौ १८८२ महाराजत्रतापसिंह ६ श्रमृतसागर मुंबई १८८९ महाराजप्रापासिंह १० अमृतसागर मुंबई १८९२ फतहगढ़ ११ अञ्चखराड नरहरिदास मुंबई १८७५ १२ अवतारचरित नकुलपरिडत मुंबई १८८८ १३ ग्रश्वंपरीद्ता चिद्वनानन्द १४ ञ्रात्मपुराग विश्वनाथासिंहमहारा ज १५ ग्रानन्दरघुनन्दननाटक ं लखनो १८८१ ञ्रानन्दिगिरि १६ ज्रानन्दामृतवार्पेणी लखनौ १८८३ काशी समर्घदान . १७ श्रार्यसमाजपरिचय

| १८ ग्रायंसिङान्त             | भीमसेन प्रयाग                 |
|------------------------------|-------------------------------|
| १६ इतिहासातिमिरनाशक          | शिवप्रसाद                     |
|                              | . लखनो १८८६                   |
| २० इतिहासराजस्थान            | रामनाय                        |
|                              | शाहजहांपुर १८९२               |
| २१ इश्वरोपासना               | श्यामलालसिंह ग्रहमदाबाद       |
| २२ उपक्रमणिका                | प्यारीमोहन काशी               |
| २३ उपदेशामृतवटी              | गोपीनाघ ' गुंबई               |
| २४ एक जोड़ों अंग्ठी          | नेरावरामभट्ट                  |
| _                            | पटना १८८०                     |
| २५ एकविधवाकी प्रार्थना       | ु वसन्तदेवी .                 |
|                              | शाहनहांपुर                    |
| २६ चोरतांकी इज्जत            | ्र दुर्गाप्रसाद का्शी         |
| २७ कवीरपदसंग्रह              | कवीरदास मुंबई                 |
| २८ कर्पूरमञ्जरी              | हरिश्रन्द काशी                |
| २९ कवायदयानेजात              | काशी                          |
| ३० कादम्बरी                  | गदाधरातिंह १८७९               |
| ३१ कानूनजेल                  | :8 < 1.00                     |
| ३२ कानूनरिनष्ट्रेशन्         | १८७०                          |
| ३३ कानूनहिं छियार            | ?. <i>&lt;</i> '0<            |
| ३४ कायस्थधर्म                | मुं. दीनदयाल                  |
| ३९ कारमीरकुसुमं              | हारिश्चन्द्र काशी १८८४        |
| ३६ कुमारीधर्म                | वंशीलाल                       |
| ३ ७ कुमारीभृष्या             | दयाराम                        |
| ३८ क़ुला ङ्गनोपानिषत्        | रामावतार '                    |
|                              | पटना १८७९                     |
| ३६ छण्णकुमारीनादक            | रामकृष्ण काशो १८८८            |
| ४० इन्यासागर                 | <b>नग</b> द्गायसहाय           |
| •                            | लखनो १८८८                     |
| ४१ कोर्टफीस एक्ट (रस्मकान्न) | १८७०                          |
| ४२ गरेग्रामुरामा             | देवीसहाय लखनो १८९७            |
| ४३ गांवोंकी सफाई             | <i>द्या</i> खनी १ <i>८५</i> ७ |

| ४४ गुलजारेपुरवहार        | हारिश्रन्द् काशी        |
|--------------------------|-------------------------|
| ४५ गोवर्द्धनजीकी वार्ता  | हरिययगोस्वामी           |
|                          | मुंबई १८७९              |
| ४६ अन्थगुरुनानकसहाय      | लखनौ १८९३               |
| ४७ ग्रहलाघवसारखी         | गोकुलचन्द्र             |
| ४८ चन्द्रकान्ता          | देवकीनन्दन              |
| <b>१</b> -8              | ं काशी                  |
| ४६ चन्द्रकान्ता सन्तति   | देवकीनदन                |
| १-१८                     | कारी                    |
| ५० चन्द्रप्रभा           | काराी                   |
| ५१ चन्दावली नाटक         | हरिश्रन्द्र             |
| `                        | काशी १८७७               |
| ५२ तथा                   | तथा                     |
| ५३ चलनकलन                | सुधाकर                  |
|                          | ं काशी १⊏८६             |
| ५४ चुनारका पुराना हाल    | भानुप्रताप १८८०         |
| ५५ चूरीहारिनलीला         | विश्वेश्वरप्रसाद काशी   |
| ५६ छन्दो बोध             | हृपीकेश कलकत्ता         |
| ५७ छुहारोंके वोनेकी रीति | साधुसिंह                |
|                          | देहली १९००              |
| ५८ जगाद्वेनोद            | पद्माकर                 |
|                          | सखनौ <i>१८८०</i>        |
| ५९ जन्मपत्रहरिश्चन्द्र   | सुधाकरद्विवेदी ्        |
|                          | काशी १८८४               |
| ६० जयनरासिंह             | देवकीनन्दन              |
| •                        | काशी १८८४               |
| ६१ जयपुर डायलेक्टम्      | मकालि <b>ष्ट</b> रसाहव  |
|                          | प्रयाग १८९८             |
| ६२ जलसें रागनिवृत्ति     | काशीनाथ                 |
|                          | प्रयाग १८८ <sup>७</sup> |
| ६३ जसवन्तभूषण            | मुरारिदान नोधपुर        |
| ६४ तथा                   | तथा                     |

| ६९ जावते दीवानी सन् १८८२     | लखना १८८२                |
|------------------------------|--------------------------|
| ६६ जावते फोजदारी सन् १८८२    | लखनौ १८८२                |
| ६७ जीवनचरित्रमाला (नवलिकशोर) | वन्ददिोन                 |
|                              | लखनौ १८९५                |
| ६८ जेनतत्त्वादर्श            | त्रात्मारामादि           |
|                              | मुंबई १८८४               |
| ६६ जैनयात्रादर्पण            | दुलीचन्द मुंबई           |
| ७० ज्योतिषचिन्दिका           | गङ्गाप्रसाद              |
| · 1114 · 14 · 234            | शाहजहांपुर १८८६          |
| ७१ ठगवृत्तान्तमाला           | रामकृष्णवर्मा काशी १८८९  |
| ७२ तप्तासम्बर्ग              | श्रीनिवासदास पटना १८८३   |
|                              | काशी १८९३                |
| ७३ तरीका तन्दुरस्तीका        |                          |
| ७४ तवारीख चितोड              | ञ्चापृ                   |
| ७५ तावीज उपदेशसग्रह          | काशीनाथ १८८              |
| ७६ तवारीखे रूस               | नवलिक्शोर लखनौ १८८८      |
| ७७ तिञ्च श्रकवर              | त्रक्वरत्रली मुंबई १८६९  |
| ७८ तिव्य रहाकर               | मथुरा १८८५               |
| ७८ तुलसीशव्दार्घप्रकाश       | गोपादास लखनौ             |
| ८० त्रिकुटीविलास             | हंस (चरू प               |
| ८१ दयान्ददिग्विजयार्क        | गोपालशास्त्री फतहगढ      |
| ८२ दस्तुरुलग्रमल             | मारवाड                   |
| ८३ दुर्गादर्पण               | दामोदरगिरि कानपुर        |
| ८४ दुर्गेशनन्दिनी            | गदाधराप्तें काशी १८८४    |
| ८९ देवाद्यरचरित्र            | रविदत्त प्रयाग १८८४      |
| ८६ द्वेताद्वेतसंवाद          | वदरीप्रसाद               |
| Carment was                  | प्रयाग १८८८              |
| ८७ धनञ्जयविजय                | काञ्चनकवि काशी           |
| ८८ धरतीकी उपनाऊशक्तिवढाना    | काशोनाघ                  |
| (खती की विद्योकसिद्धान्त)    | प्रयाग .                 |
| ८६ धर्म व्याख्यान            | मोत्तमूलर मुंबई १८८७     |
| ह० नवरत                      | श्रीगोपाल देहली          |
| ६१ नवाहादर्श                 | विद्याधरात्रिपाठी कार्शा |
| ८८ मनाधायस                   | (नचानराजाण नार्।।        |

| <b>९२ नाटकरचनाकोप्रणाली</b>     | हीरश्रन्द         | काकी             | १८८३         |
|---------------------------------|-------------------|------------------|--------------|
| ९३ नारायणीाशिद्या               | चिमनलाल           |                  |              |
|                                 |                   | <u>.</u> जहांपुर | १८१          |
| ९४ नित्यकर्मपद्धति              | जगन्नाघ           |                  |              |
| ६५ नीत्योपदेश                   | काशीनाथ           |                  |              |
| <b>९६ नियुद्धशिद्धा</b>         | दाम <u>ो</u> दर   |                  |              |
| ६७ नीतिधर्म                     | 401141            | , - ,,           | , - ,        |
| ९८ नीलदेवीनाटक                  |                   | ,                | प्रयाग       |
|                                 | शालिश्राम         |                  | <b>अजमेर</b> |
| ६९ न्यायतत्त्ववोधनी             |                   |                  | 21-1-1       |
| १०० न्यायवोधनी                  | सुखदयाल           |                  | 9//3         |
|                                 |                   |                  | १८८२         |
| १०१ पद्मावतीसुधाकरचन्द्रिकासहित | मलिकमहम           |                  | 0-0-         |
|                                 |                   | <b>क्लकत्ता</b>  |              |
| १०२ परीचागुरु                   | श्रीनिवास         |                  | मुंबई        |
| १०३ तथा                         | तथा               |                  | - ~          |
| १०४ पञ्चपवित्रात्मा             | हरि               |                  | काशी         |
| १०५ प्रथ्वीराजरासा              | चन्दवरदा          |                  |              |
| •                               |                   | न्लकत्ता         |              |
| १०६ प्रवोधचन्दोदय               | व्रजवासीद         | ास               | लखना         |
| १०७ प्रेमपुष्पावली              | <b>प्रतापनारा</b> | यण               | काशी         |
| १०८ त्रेममाधुरी                 | हरिश्रन्द         | काशी             | १८८२         |
| १०६ तथा                         | तथा               |                  |              |
| ११० प्रेमसागर                   | लछक वि            |                  | काशी         |
| १११ फसाने अजायन                 | शंभुलाल           | ŧ                | कलकत्ता      |
| ११२ फुलवारीकीळिवि               |                   |                  |              |
| ११३ वादशाहदर्पण                 | हरिश्रन्द         |                  |              |
| 111 1141164.4                   |                   | कारी             | 8 < < 8      |
| ११४ वालबोध                      | गोकुलचन्द्र       | ₹                | मुंबई        |
| ११५ बालविवाहविचार               | ठाकुरप्रसा        |                  |              |
| १() सालावनालावनार               |                   |                  | १८८८         |
| ००० नणा                         | त                 | या               |              |
| ११६ तथा                         | "                 | •                | मेरठ         |
| ११७ विजलीदीपिका                 |                   |                  |              |

| ११८ वीजक कवीरदास सटीक          | कवीर टी. विश्वनाथ     |
|--------------------------------|-----------------------|
|                                | लखनेो १८⊏३            |
| ११९ बुढ़ियावखान                | काशी १८८४             |
| १२० ब्रह्मोत्तरखगड             | दु गीप्रसाद           |
| •                              | लखनौ १८८१             |
| १२१ भक्तमाला                   | प्तापसिंह लखनौ १८७४   |
| १२२ भक्तविनोद                  | मीरासिंह              |
| १२३ भक्तिवायक                  | ·     काशी १८६४       |
| १२४ भाक्तिसागर                 | चरणदास लखनी           |
| १२५ भङ्गतरङ्गनाटक              | राधाचरणगोस्वामी मथुरा |
| १२६ भावेष्यपुराण               | दुर्गाप्रसाद 🕟 लखनौ   |
| १२७ भाग्यभरी                   | कन्हेयालाल अलख        |
|                                | लुघयाना               |
| १२८ भाग्यवती                   | श्रद्धाराम 🦠 जालन्धर  |
| १२९ भारतजननी                   | हरिश्रन्द्र काशी १८८४ |
| १३० भारतदुर्दशा                | हरिश्चन्द्र           |
| १३१ भारतरत्ता                  | ठाकुरपूसाद            |
|                                | ं अजैभर १८८०          |
| १३२ भारतवर्षराजदर्पण           | निरंजन काशी १८७४      |
| १३३ तथा                        | तथा                   |
| १३४ भाषाकाञ्यसङ्ग्रह           | कलिङ्ग ब्रानिङ्गसाहव  |
|                                | ् <b>लखनौ</b>         |
| १३९ <sup>-</sup> भाषाचन्द्रोदय | श्रीलाल लखनौ १८६५     |
| १३६_भाषाव्याकरण                | वुडुकसाहव             |
| _                              | काशी १८⊏९             |
| १३७ मोजपूबन्धसार               | वंशीधर प्रयाग १८८२    |
| १३८ भोजाविद्या                 | कलकता १८८८            |
| १३६ भ्रमोच्छेद                 | दयानन्द प्रयाग        |
| १४० मनको लहर                   | प्रतापनारायण          |
|                                | काशी १८८५             |
| १४१ मनारक्षननाटक               | रघुवरिासिंह           |
|                                | क्लकत्ता १८८०         |
|                                |                       |

|                       | Tभाषा             | श्रेाणे        | ६३            |
|-----------------------|-------------------|----------------|---------------|
| १४२ मनोहरप्रकाश       |                   | मनिराम         | श्रजमेर       |
| १४३ मतुष्यधर्मसंहित।  |                   |                | ं देहली       |
| १४४ मर्दुमशुमारीकी वि | रेपोर्ट           | मु.            | . गोविन्दशरख  |
| सं. १८९१ व            |                   | _              | नयपुर         |
| १४५ महाअन्वरनगरी      | नाटक              | विजयानन्द      | काशी १८८७     |
| १४६ महाभारत           |                   | कालीचरणावि     | ξ             |
| ₹-₹                   |                   | लखने           | ो १८८४-८६     |
| १४७ महाभारत           |                   | गोकुलनाघ प्र   | _             |
| 8-30                  |                   |                | तलनी १८७४     |
| १४८ महामानलीला        |                   | कुन्दनलाल      | काशी          |
| १४९ मानसिकयोग         |                   | श्रात्मानन्द   |               |
| १५० मारवाड्यान्तकी    | कहावत             | लक्ष्मग्       | पूना १८६३     |
| १५१ मिडीसे रागीनवृ    | <u> ति</u>        | काशीनाय        | प्रयाग        |
| १५२ मीरावाईका जीव     | ानचरित्र <b>ः</b> | देवीप्रसाद     | लखनौ          |
| १९३ मुदाराच्स         |                   | हरिश्रन्द      |               |
| १५४ मूर्तिमुद्गर      |                   | टी ग्वेन्स     |               |
| १५५ मेघदूतपूर्वार्द्ध | •                 | लक्ष्मग्रिह    | काशी १८८२     |
| १५६ यमलबहिनाका        | इतिहास            |                | काशी १८७५     |
| १५७ योगतत्त्वप्रकाश   |                   | शुद्धानन्दादि  | मुंवई         |
| '१५८ योगवाशिष्ठ       | •                 |                | . 5           |
| १-४                   |                   |                | मुंबई         |
| १५६ रणधीरप्रेममोहि    | नी                | श्रीनिवास      | कलकता         |
| १६० रमलसारपृक्षावर    | त्री              | 1              | मुंवई         |
| १६१ रसकुसुमाकर        |                   | पूतापनारायर    |               |
|                       | ,                 | _              | ायाग १८६४     |
| १६२ रसवर्षा           |                   | हरिश्रन्द      | काशी          |
| १६३ रसराजमहोदधि       |                   | भगवानदास       | • मुंब्ह      |
| १६१ रसायनप्रकाश       |                   | बदरीलाल        | लखने।         |
| १६५ राजनीति           |                   | विष्णुशास्त्री | कलकत्ता       |
| १६६ राघासुधारातक      |                   | हठी            |               |
| १६७ राधास्वामिमतख     | एडन               | वजारचन्द       | <b>अ</b> जमेर |
| १६८ रामायण सटीक       |                   | तुलसोदास ल     | ाखनौ १८८४     |

| १६९ रामायण सटीक                |                             | अगरा          |
|--------------------------------|-----------------------------|---------------|
| १७० रामाश्दमेध                 | मन्नालाल.                   | काशी          |
| १७१ रादणवही (प्राक्त)          | गोल्ड्रात्मय                |               |
|                                | इप्टसवर्ग                   | १.८८०         |
| १७२ रिसालानीतिप्रकाश           | कन्हेयालाल                  |               |
|                                | लुधियाना                    | १८७७          |
| १७३ रेल्वेस्तोत्र              | राधाचरग्रेगास्वामी          |               |
| •                              | ् शा                        | हनांहपुर      |
| १७४ राविन्सन् ऋसो              | वदरीलाल काशी                | १.८७३         |
| १७५ लन्दनका यात्री             | भगवानदास काशी               | १८८४          |
| १७६ ललिता नाटिका               | <b>अ</b> म्बिकादत्त         | काशी          |
| १७७ लिङ्गपुराण                 | ् दुर्गाप्रसाद <sup>्</sup> |               |
|                                | लखने                        | १५८१          |
| १७८ लिपिपुस्तक                 | डोरीलाल लख                  | भौं १८८८      |
| १७९ वङ्गविजता                  | ं गदाधरासिंह काशी           | १८८६          |
| १८० वचनसार                     | राधाखामी                    |               |
| ₹-₹                            | प्रयाग                      | १८८४          |
| १८१ वर्णव्यवस्थानाटक           | <b>जगन्ना</b> थ             | देहली,        |
| १८२ वाणीभूपण                   | उमेदराम-भरत अनं             | मेर १८९.९     |
| १८३ वाल्मीकीरामायण             | , महेशदत्त                  |               |
| 7-7                            | लखन                         | ो १८८५        |
| १८४ विचारसागर                  | निश्चलदाम                   | मेरठ          |
| १८५ विचारसागर                  | निश्रलदास मुंबई             | 8=EG          |
| १८६. विजयमुक्तावली             | <b>छत्रका</b> वि            | ञ्चागरा       |
| १८७ विजयवैजयन्ती               | हरिश्रन्द्र कार             | ग्रे १८८२     |
| १८८ विजयपात्रिका तत्त्ववेशिवनी | तुलसीदास शिवप्रव            |               |
|                                | . लखन                       | ी १८८०        |
| १८९ विलायतकी चिट्टी            | •                           | कलकत्ता       |
| १६० विवाहविडम्बन नाटक          |                             | ाड १८८४       |
| १९१ विश्रामसागर                |                             | ो १८⊏४        |
| १९२ विपृचिकानिवारक             | समर्घदान                    | <b>अनम्</b> र |
| १९३ विपृचिकाविनाशक             | किशनललाल                    | धनमेर         |

| १९४ विहारवृन्दावन<br>१९५ विहारीसतसई भाषाटीका सहित | वृन्दावन लखनो १८७३<br>विहारी |
|---------------------------------------------------|------------------------------|
| १६६ विहारीससई संवेया                              | विहारी स. कृष्णदत्त          |
|                                                   | लखनौ १८८०                    |
| १९७ वृत्तिप्रभाषर                                 | निश्रलदास मुंबई              |
| १९८ वीगाप्रकाश                                    | प्यारेलाल लखनौ १८८३          |
| १६९ वेदान्तप्रदीप                                 | जगन्नाथ अजमरे १८९१           |
| २०० तथा                                           | तथा                          |
| २०१ वेदान्तसङ्ग्रह                                | देवेन्द्रानन्दिगीर           |
| •                                                 | मुर्वे १८८४                  |
| २०२ वेदोक्तधर्मप्रकाश                             | विष्णुवावा                   |
|                                                   | मुंबई १८६६                   |
| २०३ वैदिकीहिंसा हिंसा न भवति                      | हरिश्रन्द काशी               |
| २०४ वेदिककोश                                      | गदाधर मथुरा                  |
| २०५ वैद्यानन्दमकाशः                               | लादुराम त्राजमेर             |
| २०६ व्यवहारभानु                                   | दयानन्दः प्रयाग              |
| २०७ व्याकरण                                       | विहारीलाल                    |
| १-इ                                               | भरतपुर                       |
| २०⊏. व्याकरणकोमुदीः                               | सीतलप्रसाद कलकत्ता           |
| २०९ बनविलास                                       | ब्रजवासीदास आगरा             |
| २१० द्विसटोरिया यात्रा                            | ईश्वरीपूसाद-नारायणसिंह       |
|                                                   | कार्या १८७४                  |
| २११ शक्कन्तलानाटक                                 | नेवाजकावि जयपुर              |
| २१२ शकुन्तलानाटक                                  | नेवाजकवि जयपुर               |
| २१३ शकुन्तलानाटक                                  | राजालक्ष्मणसिंह              |
| -                                                 | काशी                         |
| २१४ शक्तिभक्तिप्रकाश                              | प. विश्वंभरदीन जयपुरः        |
| २१९ शङ्करिदािवजय                                  | माधवानन्दभारती काशी          |
| २१६ शेंडफोर्डमर्टन का अनुवाद                      | शिवपूसाद काशी १७⊏७           |
| २१७ शब्दार्घभानु                                  | भानुदत्त लाहोर १७८५          |
| २१८ शमशादनाटकः                                    | - पटना १८८०                  |
| २१९ शरदऋतुकी कहानी                                | काशीनाथ .                    |

|            |                        | •                           | •             |
|------------|------------------------|-----------------------------|---------------|
| २२०        | शार्ङ्गधर              | सुधाकर                      | आगरा          |
| ,          | शालिहोत्र              | नकुल                        | मुंबई         |
| •          | शिल्पचमत्कार चिन्तामीण | मोहनलाल '                   |               |
| ,          |                        |                             | १८७४          |
| २२३        | शिल्पंसग्रह            | रामचरण                      |               |
|            |                        | फरक्कावाद                   | १८६६          |
| २२४        | शिवपुरागा .            | लखनौ                        | १८८६          |
|            | शिवसिंहसरो <b>ज</b>    | शिवसिंह लखनो                | १८८६          |
| २२६        | शिवाजीकाजीवनचारेत्र -  | कार्तिकप्रसाद कार्र         | ो १८५४        |
|            | शिद्यामिण              | - दीननाथदेव                 | 1             |
|            | •                      | कलकत्ता                     | १८७५.         |
| <b>२२८</b> | शीतलरताकर              | पालीराम काशी                | 3078          |
| २२ए        | <b>शुक्रनीति</b>       | शुकाचार्य '                 | ं लखनौ        |
| २३०        | शृङ्गारसरोज            | मन्नालाल -                  | १८८०          |
| २३१        | राक्सपीयरकाममनाहरनाटक  | मेरीचारलसलेम्ब-कार          | ग्रिनाथखर्त्र |
| २३२        | रेक्सपीयर काश्रनुवाद   | काशीनाथ                     | प्रयाग '      |
| २३३        | संगीतरताकर             | वलदेवींसह प्रयाग            |               |
| २३४        | सचादेशहितेषी           | हरमुकन्द                    | अनमर          |
| २३५        | सद्धर्मरत्ता           | <b>ञात्मानन्द</b>           | ग्रजभर        |
|            | सत्यामृतप्रवाह         | श्रद्धाराम देहली            | 1/22          |
| २३७        | सत्यार्थपूकाश          | दयानन्द                     | लाहोर         |
| २३८        | सत्यासत्यविर           | मुंबई                       | 1560          |
| २३६        | सत्यासत्यविवेक         | दयानन्द .                   | लाहार         |
| २५०        | सभाप्रकाश              | हरिदास                      | उदयपुर        |
|            | समालोचनादिनचर्यादि     | <b>जग</b> न्नाघ             | े देहली       |
| २ं४२       | समुद्यात्रानाटक        | जगन्नाय ं                   | देहली         |
|            | संयोगिताखयम्बर         | श्रीनिवासदास                | कलकत्ता       |
|            | सराजिनीनाटक            | . प्रयाग                    | १८५६          |
|            | सहस्ररजनीचरित्र        | प्यारेलाल लखना              | १८८१          |
|            | सहस्ररात्रिसंदोप       | वदरालाल काशा                | १८६१          |
| २४७        | सिद्धान्तदेवज्ञविनोद   | मनिराम                      | *             |
|            | ·<br>-                 | .जगद्ध <b>र्षयन्त्र</b> लिय | १८६५          |
|            |                        |                             |               |

| _                              |                                      |  |  |  |
|--------------------------------|--------------------------------------|--|--|--|
| २४८ सीताचरित्र                 | दयाराम प्रयागु १८९६                  |  |  |  |
| २४६ सुखसागर                    | मक्खनलाल लखनौ १८००                   |  |  |  |
| २५० सुन्दरकाव्यसंत्रह          | सुन्दरदास मुंबई                      |  |  |  |
| २५१ सुन्दरविलास                | सुन्दरदास मुंबई                      |  |  |  |
| २५२ सुन्दरीतिलक                | वाबूहरिश्चन्द्र श्रागरा              |  |  |  |
| २५३ सूरसागर                    | सूरदास लखनो १८८०                     |  |  |  |
| २५४ स्त्रीत्रमुशासन            | मुं. विसनलाल आगरा                    |  |  |  |
| २५५ स्त्रीधर्मवोधनी            | जगन्नाथ देहली १८८७                   |  |  |  |
| २५६ स्त्रीशिचा                 | लाहोर १८७३                           |  |  |  |
| २५७ स्त्रीशिचा                 | <b>हरिमुकुन्द</b>                    |  |  |  |
|                                | कलकत्ता १८८४                         |  |  |  |
| २५८ स्वधर्मरत्ता               | समर्थदान काशी                        |  |  |  |
| २५९ स्वरोदयसार                 | मुंबई                                |  |  |  |
| २६० हारिद्वारका मेला           | रंगीलाल मथुरा                        |  |  |  |
| २६१ हरमुानियम गाइड्            | एसः वीः सरस्वती                      |  |  |  |
|                                | प्याग १८६३                           |  |  |  |
| २६२ हास्यतरंग                  | गुलावसिंह मञ्चलपुर                   |  |  |  |
| २६३ हास्यार्णव                 | काशी                                 |  |  |  |
| २६४ हिन्दी उर्दुकी लड़ाई       | सोहनपूसाद काशी                       |  |  |  |
| २६९ हिन्दुस्तानका दग्डसंग्रह   | <b>ए</b> लिन्त्र्याक्टेविपन्ऌमसााहिव |  |  |  |
|                                | इटावा १८६१                           |  |  |  |
| २६६ हिन्दुस्तानका पूरा इतिहास  | केशवरामभद्द पटना १८७९                |  |  |  |
| २६७ होमित्रोपेथिकज्वराचित्सा   | कृष्णलाल भ्रजमेर                     |  |  |  |
| २६८ चेत्रप्रकाश                | शिवप्रसाद मथुरा १८९५                 |  |  |  |
| २६९ ज्ञानसिद्धान्त             | पं. मूलराज'                          |  |  |  |
| भापान्तरश्रेणिः                |                                      |  |  |  |
| २७० जिन्दगीनामा नन्दलाल्पंजावी | A                                    |  |  |  |
| २७१ भजनपंजावी                  | •                                    |  |  |  |
| २७२ सिक्खींकीप्रार्थना         |                                      |  |  |  |
| २७३ वैद्यदर्पण                 | वासुदेव सुंबई                        |  |  |  |
|                                | 3.0                                  |  |  |  |

राङ्करलाल

२७४ सावित्री चरित्रनाटक

## Tms.—भाषाश्रेणिः हस्तिलाखेता

|   | म   | न्य अन्यनामानि      |          |           | अन्यकर्तृनाम मु             | द्रगाः |
|---|-----|---------------------|----------|-----------|-----------------------------|--------|
|   | संग | ल्या                |          |           | मुद्रणकार                   |        |
|   | ••  | •                   |          |           | •                           |        |
|   | ?   | अन्तगडदशाङ्ग मने    | ोरमा     | ग         | <b>ण</b> धरवररुचि           |        |
|   |     | <b>ज्राराधनासार</b> | (খ্ৰীন)  | दे        | वसेन                        |        |
|   |     | इक्कीसप्रकारकी पू   |          | )         |                             |        |
|   |     | उत्तममध्यम का वि    |          |           |                             |        |
|   | ሂ   | उपदेशसिद्धान्त रत   | नमाला (  | जैन)      |                             |        |
|   |     |                     | (जैन)    |           |                             |        |
|   | છ   | गानपद               | (जैन     | )         | •                           |        |
|   | <   | चैत्यस्तवन          | (जैन)    | )         | <del>-</del>                |        |
|   | 3   | छन्दरत्नावली:       |          |           |                             |        |
| १ | 0   | जीवविचार (          | ्जैन)    | ٠         |                             |        |
| Ş | 8   | तत्त्वसार           |          | Ś         | विसेन                       |        |
|   |     | दिवान् हाफिज        |          | रा        | <mark>मराय-गुमानीराम</mark> | •      |
|   |     |                     | (जैन)    |           |                             |        |
|   |     | पारसनाथचन्दऋावि     | रं (जैन) |           |                             |        |
| 8 | G   | पुरायरंग चोपाय      | (जैन)    | •         |                             |        |
|   |     | भाषाभूषण-विहारीर    |          |           | विद्यारी-केशंवदा            | ास     |
| १ | છ   | मृगाङ्कलेखचरित्र    | (जैन)    |           |                             |        |
| १ | ς.  | किशोरकल्पद्धमः (रा  | सोई का अ | न्य) रि   | <b>प्रवक्ति</b>             |        |
| ξ | 3   | राजकत्य (व          | नेंन)    |           |                             |        |
| 3 | ٥   | <b>लीलासागर</b>     |          | <b>जै</b> | ोगजीत.                      |        |
| 3 | ξ.  | वीतरागस्तोत्र       |          |           | •                           |        |
|   |     | सन्नहिवाधिपूजा      | (जैन)    |           |                             |        |
|   |     | सहना प्रकाश         |          | स         | हजाेवाई                     |        |
| 3 | 8   | सिन्दूरप्रकरण       | (जैन)    |           | ोमदेव -                     |        |
| 3 | X   | चेत्रसमासादि        | (जैन     | )         |                             |        |
|   |     |                     |          |           |                             |        |